सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

अभिमान कहता है सु-ने किसी की जरुरत नहीं
किन्तु समय कहता है कि वक्त आने पर धूल की भी
जरुरत पड़ेगी..!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–47 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 08 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

आस्था और चमत्कार का संगम—मणिकरण साहिब के उबलते कुंडों का रहस्य

कुल्लू से विशेष संवाददाता संदीप सिंह

हिमालय की सुरम्य वादियों में बसे मणिकरण का गुरुद्वारा श्री मणिकरण साहिब आस्था, इतिहास और प्रकृति के अद्भुत संगम का प्रतीक है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला में पार्वती नदी के किनारे स्थित यह पवित्र स्थल सिख और हिंदू दोनों धर्मों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता, चमत्कारी गर्म पानी के झरनों और धार्मिक मान्यताओं के कारण यह स्थान हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

गुरु नानक देव जी से जुड़ी कथा

सिख परंपरा के अनुसार 16वीं शताब्दी में सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी अपने प्रिय शिष्य भाई मरदाना के साथ इस स्थान पर आए थे। कहा जाता है कि यात्रा के दौरान भाई मरदाना को भूख लगी, जिसके बाद उन्होंने लंगर के लिए रोटियां तैयार कीं, लेकिन उन्हें पकाने के लिए आग उपलब्ध नहीं थी।

तब गुरु नानक देव जी ने मरदाना से एक पत्थर उठाने को कहा। जैसे ही पत्थर हटाया गया, उसके नीचे से खौलता हुआ गर्म पानी निकलने लगा। मरदाना ने रोटियां उस पानी में डालीं, लेकिन वे डूब गईं। गुरु नानक देव जी ने उन्हें भगवान से प्रार्थना करने की सलाह दी। प्रार्थना के बाद चमत्कारिक रूप से रोटियां पानी की सतह पर तैरने लगीं और पककर बाहर आ गईं। इस घटना को आज भी गुरुद्वारे की परंपरा और आस्था का आधार माना जाता है।

शिव-पार्वती की पौराणिक कथा

मणिकरण से जुड़ी एक अन्य प्रसिद्ध कथा हिंदू मान्यता से जुड़ी है। कहा जाता है कि भगवान शिव और माता पार्वती ने इस स्थान पर लगभग 11,000 वर्षों तक तपस्या की थी। एक दिन जलक्रीड़ा के दौरान माता पार्वती के कान की मणि (रत्न) नदी में गिरकर पाताल लोक में चली गई। इस घटना से क्रोधित होकर भगवान शिव ने प्रलय की स्थिति उत्पन्न कर दी। तब शेषनाग ने फुंकार मारी, जिससे धरती से गर्म पानी का झरना फूट पड़ा और माता पार्वती की मणि वापस मिल गई। इसी घटना के कारण इस स्थान का नाम मणिकरण पड़ा, जिसका अर्थ है मणि का स्थान।

उबलते पानी के कुंडों का रहस्य

मणिकरण का सबसे बड़ा आकर्षण यहां के प्राकृतिक रूप से खौलते हुए गर्म पानी के कुंड हैं। इन कुंडों में पानी का तापमान इतना अधिक होता है कि इसमें भोजन आसानी से पकाया जा सकता है। गुरुद्वारे में आज भी लंगर के लिए चावल और दाल इन्हीं गर्म पानी के कुंडों में पकाए जाते हैं। श्रद्धालु इसे एक चमत्कार के रूप में देखते हैं और इसे गुरु नानक देव जी की कृपा से जोड़कर देखते हैं। धार्मिक मान्यता के अलावा इन कुंडों का स्वास्थ्य से भी संबंध बताया जाता है। माना जाता है कि इस गंधक युक्त गर्म पानी में स्नान करने से गठिया और मांसपेशियों के दर्द जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो मणिकरण के गर्म पानी के झरने भू-तापीय ऊर्जा का परिणाम माने जाते हैं। पृथ्वी के अंदर मौजूद गर्मी जब भूमिगत जल के संपर्क में आती है तो पानी अत्यधिक गर्म होकर सतह पर निकलता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कई स्थानों पर लगातार गर्म पानी के स्रोत दिखाई देते हैं।

आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र

मणिकरण आज न केवल धार्मिक श्रद्धा का केंद्र है बल्कि हिमाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में भी शामिल है। यह स्थान कुल्लू से लगभग 35 किलोमीटर दूर और कसोल के पास स्थित है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गुरुद्वारे में मुफ्त लंगर और रहने की व्यवस्था भी उपलब्ध है। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और वैज्ञानिक रहस्य—इन तीनों का अद्भुत संगम मणिकरण को हिमालय के सबसे अनोखे और पवित्र स्थलों में शामिल करता है। यही कारण है कि हर वर्ष देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु और पर्यटक यहां आकर इस अद्भुत स्थान की आध्यात्मिक और प्राकृतिक अनुभूति प्राप्त करते हैं।

पांच एकड़ में हो रही थी अफीम की खेती, आठ करोड़ के पौधे जप्त

भाजपा नेता विनायक ताम्रकार की गिरफ्तार के बाद जांच में आई तेजी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के जेवरा-सिरसा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम समोदा में भाजपा किसान मोर्चा के नेता विनायम ताम्रकार के लगभग 6 एकड़ खेत पर अफीम की अवैध खेती की जा रही थी। मामले के खुलासे के बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर ने पत्रकार वार्ता में पूरे मामले का सिरसिलेवार खुलासा किया है।

थाना पुलगांव क्षेत्रांतर्गत जेवरा-सिरसा चौकी के अंतर्गत ग्राम समोदा, झेनझरी एवं सिरसा के मध्य स्थित भूमि में अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके में शून्य में अपराध पंजीबद्ध किया गया तथा विवेचना के क्रम में खेत में अफीम की फसल पाए जाने पर अन्य संबंधित विभागों को अवगत कराते हुए संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गई। मौके पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खेत में मक्का/भुट्टे की फसल के बीच-बीच में अफीम के पौधे लगाए गए थे। संयुक्त टीम द्वारा खेत का निरीक्षण कर लगभग 05 एकड़ 62 डिसमिल क्षेत्र में लगे अफीम के पौधों को जप्त किया गया, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 8 करोड़ आंकी गई है।

राजस्व विभाग के संज्ञान में आने पर दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंहके निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, तहसीलदार दुर्ग एवं अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा मौके पर पहुंचकर भूमि अभिलेखों की जांच की गई। जांच में ग्राम झेंझरी, तहसील दुर्ग स्थित खसरा नंबर 309 रकबा 80 डिसमिल तथा खसरा नंबर 310 रकबा 09 एकड़ 92 डिसमिल, कुल खसरा नंबर 02 रकबा 10 एकड़ 72 डिसमिल भूमि दर्ज पाई गई।

प्रारंभिक जांच में कुछ व्यक्तियों की संलिप्तता सामने आई है। पूछताछ में यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि अफीम की खेती के लिए बाहर से लोगों को बुलाकर कार्य कराया जा रहा था। मामले में NDPS Act के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। साथ ही जप्त किए गए अफीम के पौधों की जुडिशियल मजिस्ट्रेट के समक्ष विधिवत सैंपलिंग की कार्यवाही की गई है तथा फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

घटनास्थल : ग्राम समोदा, झेनझरी एवं सिरसा के मध्य स्थित खेत, थाना पुलगांव क्षेत्र, जिला दुर्ग

प्रकरण में शामिल आरोपियों के नाम विनायक ताम्रकार, उम्र 58 वर्ष, निवासी तेमरापारा दुर्ग, जिला दुर्ग, विकास बिश्नोई, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम मटोडा, थाना मटोडा, जिला जोधपुर (राजस्थान), हाल मुकाम ग्राम समोदा, जिला दुर्ग मनीष ठाकुर उम्र 45 वर्ष शामिल हैं। जप्त सामग्री में लगभग 05 एकड़ 62 डिसमिल क्षेत्र में लगे अफीम के पौधे (अनुमानित कीमत लगभग 8 करोड़) शामिल है।

उक्त कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चन्द्रा, नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मेहर, एस.डी.ओ. पी धमधा चित्रा वर्मा, सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश थाना पुलगांव पुलिस, जेवराझसिरसा चौकी पुलिस, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB), फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL), आबकारी विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अवैध नशीले पदार्थों के उत्पादन, परिवहन एवं व्यापार से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें। ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि जिले में जहां-जहां कपास की खेती की जा रही है और जहां राजस्थान व मध्यप्रदेश से आकर लोग खेती कर रहे हैं, वहां भी जांच कराई जाएगी। साथ ही समोदा मामले में अफीम की प्रोसेसिंग कहां की कजा रही थी इसकी भी पड़ताल की जाएगी।

ये सवाल अभी भी अनसुल-े

अफीम का बीज कहां से लाया गया। इसकी खेती का तरीका कहां सीखा गया और राजस्थान से मजदूर कैसे लाए गए। अफीम की प्रोसेसिंग कहां की जा रही थी? क्या आरोपी खुद करते थे या किसी नेटवर्क-गिरोह से जुड़े थे। इतनी बड़ी मात्रा में तैयार माल की खपत कहां और किसके माध्यम से हो रही थी? गांव में कंटेनर और वाहनों की लगातार आवाजाही के बावजूद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी?

नहीं रहे छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजीपी विश्वरंजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजीपी और प्रखर साहित्यकार विश्वरंजन का निधन हो गया है। उन्होंने कल रात पटना के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांसें लीं। 1973 बैच के IPS अधिकारी विश्वरंजन का प्रशासनिक अनुभव काफी व्यापक रहा है।

मध्यप्रदेश के विभाजन के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला था, हालांकि 2007 से पहले वे कभी छत्तीसगढ़ में पदस्थ नहीं रहे थे। पूर्व डीजीपी विश्वरंजन की तबीयत पिछले महीने अचानक बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा था। उन्हें गंभीर कार्डियक (हृदय) संबंधी समस्या हुई थी। इसी वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इलाज के दौरान उनकी हालत गंभीर बनी रही और उन्होंने अस्पताल में ही अंतिम सांस ली।

विश्वरंजन छत्तीसगढ़ के छठवें डीजीपी रहे हैं। 2007 में तत्कालीन डीजीपी ओपी राठौर के निधन के बाद राज्य सरकार ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी थी। वे लगभग चार वर्षों तक इस पद पर रहे और अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस प्रशासन में कई अहम सुधार किए। उनके नेतृत्व में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। विश्वरंजन की पूरे प्रदेश में प्रखर साहित्यकार और चिंतक विचारक के तौर पर भी अपने एक अलग पहचान है। उनके निधन के खबर मात्र से उनके चाहने वालों में शोक की लहर है।

व्यापार विहार में बड़ी उठाईगिरी | मौके पर पहुंचे एसएसपी रजनेश सिंह

व्यापारी की कार से 8 लाख लेकर फरार हुआ शातिर

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

शहर के व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र व्यापार विहार में शनिवार रात एक बड़ी उठाईगिरी की वारदात सामने आई है। हरे कृष्णा ट्रेडर्स के मालिक की कार से अज्ञात आरोपी करीब 8 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी रजनेश सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मिली जानकारी के अनुसार व्यापार विहार छोटी पार्किंग के पास स्थित हरे कृष्णा ट्रेडर्स के मालिक शनिवार रात करीब 8:30 बजे अपनी दुकान बंद कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने दुकान के गल्ले से नगद राशि निकालकर एक बैग में रखी और उसे अपनी कार में रख दिया था। इसके बाद वे दुकान का शटर बंद करने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान मौके की तलाश में घूम रहे एक अज्ञात शातिर ने कार का दरवाजा खोल लिया और भीतर रखे बैग को लेकर चुपचाप फरार हो गया।

बताया जा रहा है कि बैग में लगभग 8 लाख रुपये नगद रखे हुए थे। जब व्यापारी ने वापस आकर कार देखी तो बैग गायब मिला, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। वहीं संभावित रास्तों और संदिग्ध स्थानों पर पुलिस की अलग-अलग टीमों को लगाया गया है। शहर के प्रमुख चौराहों पर भी सतकर्ता बढ़ा दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

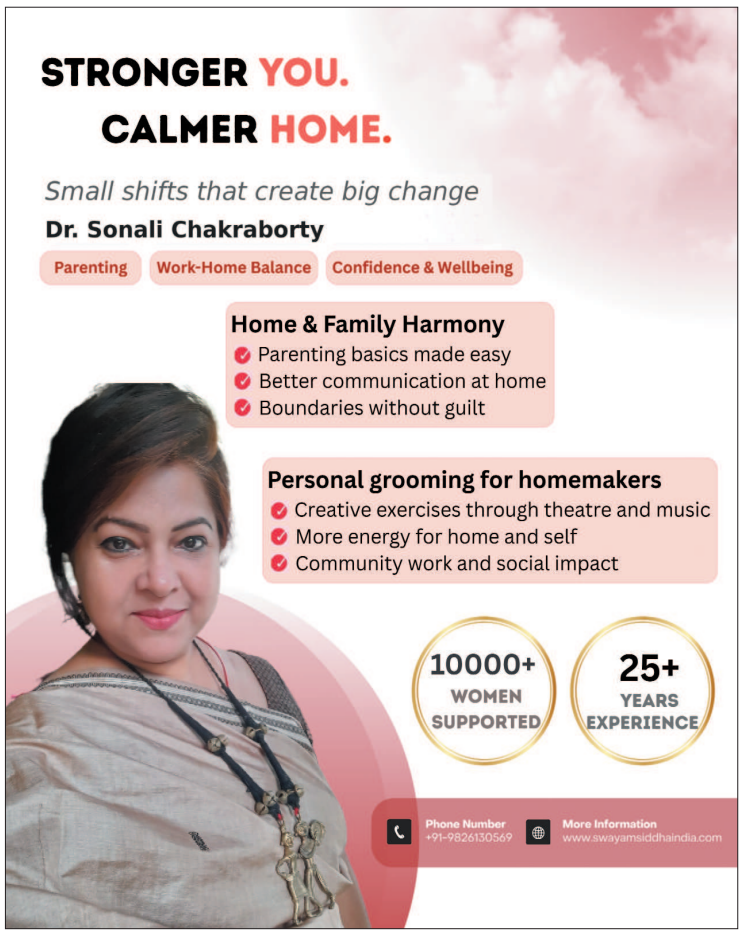

डेंगू और मलेरिया के विरुद्ध निगम का महा-अभियान, अब तक 23 हजार से अधिक घरों का हुआ सर्वे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत मच्छर जनित रोगों जैसे डेंगू और मलेरिया से बचाव एवं मच्छर उन्मूलन हेतु जन जागरूकता अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के कड़े निर्देशों के परिपालन में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन में निगम के विशेष दस्ते और जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम द्वारा रोस्टर अनुसार घर-घर जाकर गहन सर्वेलेंस और सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है।

वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह के नेतृत्व में निगम की टीम ने 1 अप्रैल 2025 से 6 मार्च 2026 तक की अवधि में व्यापक कार्रवाई की है। 23,935 घरों का निरीक्षण किया गया। कुल 10,874 मच्छर प्रजनन स्रोतों (कूलर-3945, टंकी-2973, ड्रम/कंटेनर-3924 एवं अन्य-32) की जांच कर पुराने जमा पानी को खाली कराया गया। 20,073 घरों के 26,478 कूलरों में वयस्क मच्छरों के नियंत्रण हेतु एवं 9472 कूलरों में लार्वा नष्ट करने हेतु 'एक्यूगार्ड' का छिड़काव किया गया।

सर्वे के दौरान नागरिकों को मच्छरों से बचाव और स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। कूलर के पानी को सप्ताह में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से खाली कर और सुखाकर ही नया पानी भरें। मच्छरों को वयस्क अवस्था में पहुंचने से पहले लार्वा स्तर पर ही नष्ट करने में सहयोग दें। घर के आसपास नालियों में पानी जमा होने पर उसमें जला हुआ मोबिल ऑयल डालें पथिरों और मवेशियों के पीने के पानी के बर्तन (नांद) को भी सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसहयोग से ही शहर को डेंगू और मलेरिया मुक्त बनाया जा सकता है। निगम की टीमें आने वाले दिनों में और भी मुस्तैदी के साथ चिन्हित क्षेत्रों में अभियान चलाएंगी।

खास खबर

धमधा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी में रजत जिला प्रवक्ता, मधुसूदन बने ब्लॉक कोषाध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / धमधा

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) द्वारा धमधा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने आदेश जारी करते हुए बताया कि प्रस्तावित सूची को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज एवं पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे की सहमति के बाद अनुमोदित किया गया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमधा के अध्यक्ष शिवकुमार वर्मा के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जारी सूची के अनुसार मधुसूदन राणा को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमधा का कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं उपाध्यक्ष के रूप में दिलीप मरदीया, टीकाराम उमरे, महेश कौशल, श्रीमती नोकेश्वरी ढीमर, कलीम कुरैशी और आशिष पाण्डेय को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री पद पर जीवन निर्मलकर, तामेश्वर दुबे, रेमन पटेल, दुखवा पटेल, रमेश शर्मा, अलखराम साहू, भारत भूषण सोनवानी और रामचंद्र निषाद को नियुक्त किया गया है।

सचिव पद पर चंद्रशेखर वर्मा, देवनाथ सोनकर, श्रीमती सोनल अग्रवाल, धरमपाल सोनी, टिभू वर्मा, उत्तम साहू, विनोद पटेल, नारद यादव, रामजी पटेल और ओमप्रकाश ठाकुर को दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा, कमलेश बंजारे, किशोर धार्मिक, राजकुमार कोसरे, संतोष यादव और दिनेश साहू को शामिल किया गया है।

वहीं जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के प्रवक्ता के रूप में धमधा से रजत नायक को चुना गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने तथा कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया। वहीं जिला महामंत्री राजीव गुप्ता ने सभी नवीन पदाधिकारियों को बधाई दी।

अंतर विभागीय एथलेटिक्स स्पर्धा 14 को

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा अंतर विभागीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला) 2026 का आयोजन 14 मार्च को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक सेल एथलेटिक्स अकादमी, सेक्टर-04 मैदान में किया जाएगा।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य संयंत्र के कर्मचारियों में खेल भावना, शारीरिक दक्षता एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र के सभी नियमित एवं प्रशिक्षु कर्मचारी भाग ले सकेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम दो स्पर्धाओं में हिस्सा ले सकेगा। पुरुष प्रतिभागी 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर एवं 800 मीटर लंबी कूद, जेवलिन थ्रो तथा शॉटपुट में भाग ले सकते हैं वहीं महिला प्रतिभागी 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर जेवलिन थ्रो तथा शॉटपुट में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता के सुचारू संचालन हेतु यह अनिवार्य किया गया है कि प्रत्येक स्पर्धा में न्यूनतम चार प्रतिभागियों की उपस्थिति आवश्यक होगी, अन्यथा संबंधित स्पर्धा को निरस्त माना जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां अपने-अपने विभाग के माध्यम से क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के कार्यालय बोकारो हॉस्टल, सेक्टर-4 में कार्यालयीन समय पर 13 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को सेंट्रिंग प्लेट उपलब्ध कराकर सुनीता बनीं लखपति दीदी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखपति दीदी योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत अछोली की जय मां वैभव लक्ष्मी स्व सहायता समूह की सदस्य सुनीता धनकर ने सामान्य गृहणी से सफल उद्यमी बनकर प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

वर्ष 2017 में गठित जय मां वैभव लक्ष्मी स्व सहायता समूह में कुल 10 सदस्य हैं। समूह की अध्यक्ष मधु यादव एवं सचिव रूपाली वर्मा हैं। समूह द्वारा सेंट्रिंग प्लेट (ठेकेदारी) का कार्य संचालित किया जा रहा है, जिससे समूह को लगभग 10 हजार प्रतिमाह की आय प्राप्त हो रही है। समूह को आर.एफ., सीआईएफ एवं बैंक ऋण की सुविधाएं भी प्राप्त हुई हैं। लखपति दीदी सुनीता धनकर ने समूह से जुड़ने के पश्चात ग्राम संगठन से 1 लाख का ऋण लेकर सेंट्रिंग प्लेट/ठेकेदारी कार्य प्रारंभ किया। समय पर मूलधन एवं ब्याज की अदायगी के पश्चात उन्हें पुनः 50 हजार की सहायता प्राप्त हुई, जिससे उनके व्यवसाय का विस्तार हुआ। वर्तमान में वे प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को सेंट्रिंग प्लेट उपलब्ध कराकर, कृषि, मजदूरी एवं ठेकेदारी कार्य से वार्षिक लगभग 1.70 लाख की आय अर्जित कर रही हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से स्व सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता एवं बाजार से जोड़कर महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जय मां वैभव लक्ष्मी स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सुनीता धनकर इसका सशक्त उदाहरण हैं, जिन्होंने सेंट्रिंग प्लेट जैसे कार्य से न केवल अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। श्रीमती सुनीता धनकर आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। लखपति दीदी योजना ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं सम्मानजनक आजीविका प्रदान कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

बिजली के खंभे से टकराया वाहन, दंपति घायल

दुर्ग। धमधा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच ठेलका चौक सोसायटी के पास एक और बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार सब्जी से भरा वाहन अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा टकराया, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में लक्ष्मण और उनकी पत्नी सविता घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा में भर्ती कराया गया।

महिलाओं के अधिकारों व सुरक्षा से जुड़े विधिक प्रावधानों की दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय दुर्ग में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के आदेश के पालन में तथा मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के प्रेरणादायी विचारों से प्रेरित होकर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न्यायालय परिसर में कार्यरत महिला कर्मचारियों के योगदान को सम्मानित करना तथा महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर जिला न्यायालय दुर्ग की वरिष्ठ महिला कर्मचारियों को उनके दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ श्रेणी एवं चतुर्थ अतिरिक्त

न्यायाधीश, दुर्ग ने अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानून महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण प्रदान करने तथा सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करता है।

वहीं सप्तदश व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी, दुर्ग ने इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम "GIVE TO GAIN" पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और परस्पर सम्मान की भावना को बढ़ावा देकर ही वास्तविक प्रगति और सशक्तिकरण संभव है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने अपने संदेश में कहा कि महिलाओं का सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से समाज और न्याय व्यवस्था अधिक संवेदनशील एवं सशक्त बनती है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग की महिला प्रतिनिधि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और समान अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है और अधिवक्ता समुदाय महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में सभी न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महिला सम्मान और समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने मनाई होली, फाग गीतों पर जमकर थिरके पदाधिकारी व कार्यकर्ता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

होली पर्व के अवसर पर भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के निवास पर बुधवार, 4 मार्च को होली मिलन समारोह का रंगारंग आयोजन हुआ। कार्यक्रम में पहुंचे कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जमकर होली खेली। सभी ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया और बधाई दी। फाग गीत और होली के फिल्मी गानों पर सभी ने जमकर ठुमके लगाए। अध्यक्ष श्री चंद्राकर भी अपने आप को रोक नहीं पाए। नगाड़े और ढोल की धुन पर वह भी खूब नाचे।

समारोह के विशिष्ट अतिथि थे रिसाली नगर निगम के सभापति केशव बंछोर। उनके पहुंचने पर अध्यक्ष श्री चंद्राकर एवं कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों ने उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और गुलाल लगाकर होली की शुरुआत की। धमाल मचाने के लिए नगाड़े और ढोल का इंतजाम था। फाग गीत और होली के फिल्मी गीतों पर कमेटी के पदाधिकारी खूब झूमे, खूब नाचे।

समारोह में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे पर रंगों की बौछार कर जमकर होली खेली। आधे घंटे की होली के बाद यह पहचानना मुश्किल हो गया कि कौन पदाधिकारी है और कौन कार्यकर्ता। स्थिति यह थी कि अध्यक्ष श्री चंद्राकर और विशिष्ट अतिथि श्री बंछोर भी पहचान में नहीं आ रहे थे। इस अवसर पर स्वल्पाहार का भी आयोजन था जिसका सभी ने लुत्फ उठाया। इस अवसर पर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि यह त्यौहार सिर्फ रंगों का नहीं बल्कि भाईचारे, अपनापन, प्यार और सौहार्द का संदेश देता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपकी जिन्दगी का हर दिन, आने वाला पल, प्यार, सुख, समृद्धि, आनंद, कामयाबी और सेहत के रंगों से सरोबर हो जाए।

यहां कार्यक्रम समापन के पश्चात कमेटी के सभी पदाधिकारी प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भिलाई तीन स्थित निवास पहुंचे और वहां उन्होंने मुख्यमंत्री को रंग गुलाल लगाकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सभी पदाधिकारियों को होली पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी का जीवन सुख शांति, समृद्धि, सकारात्मक और सौभाग्य के रंगों से आलोकित रहे, ईश्वर से उनकी यही कामना है। पदाधिकारी इसी तरह मिलजुल कर पार्टी को मजबूत करें। श्री बघेल के निवास से निकलने के पश्चात सारे पदाधिकारी पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के निवास पर पहुंचे और उन्हें रंग लगाकर उनका आशीर्वाद लिया।

टीपीएल वर्कशॉप में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के टीपीएल वर्कशॉप द्वारा टी डी एस-1ह्न के निकट फॉरेस्ट एवेन्यू (अग्निशमन मुख्यालय के सामने) सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन महाप्रबंधक शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया।

संयंत्र परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया गया, इसमें उप प्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी प्रवीण व्यवहारे सहित विभाग के अन्य कर्मचारी एवं ठेका श्रमिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

अभियान के दौरान संयंत्र के भीतर दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा के पालन, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा विपरीत दिशा में वाहन न चलाने के संबंध में समझाइश दी गई। संयंत्र परिसर में हल्के वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा 30 कि.मी./घंटा तथा भारी वाहनों के लिए 20 किमी/घंटा निर्धारित होने की पुनः जानकारी दी गई और इसके कड़ाई से अनुपालन पर बल दिया गया।

महाप्रबंधक (टी.पी.एल.) शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कर्मचारियों को जागरूक करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं सुरक्षित रहे और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहयोग करे। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आती है, बल्कि उत्पादकता एवं कार्यस्थल अनुशासन में भी सकारात्मक सुधार होता है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के 300 ग्राम पंचायतों में हुआ रोजगार दिवस, चावल महोत्सव व आवास दिवस का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम पंचायतों में शनिवार को चावल महोत्सव के साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले की लगभग 300 ग्राम पंचायतों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण जनता को शासन की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ सुनिश्चित करना रहा। आयोजन में हितग्राही नागरिकों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने कहा कि चावल महोत्सव, रोजगार दिवस एवं आवास दिवस शासन की जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण

अवसर है। उन्होंने कहा कि किसी भी हितग्राही की समस्या लंबित न रहे, सभी स्वीकृत आवासों में कार्य प्रारंभ हो, मस्टर रोल जारी हों तथा मजदूरी और किस्तों का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन से पहले लंबित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। रोजगार दिवस के अवसर पर योजना की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि योजना में बायोमेट्रिक एवं ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली, जीपीएस और मोबाइल आधारित निगरानी तथा रियल-टाइम एमआईएस के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है, जिससे मजदूरी भुगतान में किसी भी प्रकार की कटौती या देरी न हो।

ग्राम पंचायतों में चस्पा किए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही आजीविका डबरी निर्माण एवं जल संरक्षण कार्यों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल के अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार एवं आवास से जुड़ी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई गई। आवास दिवस के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र हितग्राहियों की सूची का वाचन, नए स्वीकृत आवासों के प्रमाण पत्रों का वितरण तथा आवास निर्माण से जुड़ी तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया गया। विशेष रूप से ई-केवाईसी, लंबित किस्तों के भुगतान तथा 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि से जुड़े मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

इसके साथ ही आवास निर्माण कार्यों में सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से सामग्री बैंक की स्थापना की व्यवस्था भी की गई। रोजगार दिवस एवं आवास दिवस के अंतर्गत क्यूआर कोड स्कैनिंग, आवास संबंधी चर्चा तथा जी राम जी योजना के प्रचार-प्रसार की गतिविधियां आयोजित की गईं। यह कार्यक्रम जनपद पंचायत पाटन के अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरपोटी, कोनारी, खर्रा, डंडेसरा, कोल्हापुरी तथा जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत फुंडा सहित अन्य पंचायतों में भी आयोजित किया गया।

महिला दिवस पर त्वरित न्याय दिलाने महा जन-सुनवाई सप्ताह का आयोजन आज से

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से 8 से 13 मार्च तक महा जन-सुनवाई सप्ताह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत राज्य के सभी 33 जिलों से जुड़े महिला उत्पीड़न और अन्य शिकायतों की संभागवार सुनवाई की जाएगी।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने बताया कि प्रदेश की महिलाओं को शीघ्र राहत दिलाने के लिए यह विशेष पहल की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े पांच वर्षों में आयोग ने राज्य के विभिन्न जिलों में करीब 370 बार जनसुनवाई आयोजित की है, जिनमें 8000 से अधिक मामलों का निराकरण किया जा चुका है। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए इस बार संभाग स्तर पर एक साथ बड़े पैमाने पर सुनवाई की जा रही है।

इस महा अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला

संरक्षण अधिकारी, सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विधिक सलाहकार तथा पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा। सुनवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था भी की जाएगी।

सुबह 10 बजे से शुरू होगी सुनवाई

आयोग के अनुसार सभी संभागों में जनसुनवाई सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगी। जिन मामलों को पहले से सूचीबद्ध किया गया है, उनमें संबंधित आवेदकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इसके साथ ही जो महिलाएं पहले आवेदन नहीं कर पाई हैं, वे भी मौके पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगी।

दो न्यायपीठों का किया गया गठन

सुनवाई को प्रभावी बनाने के लिए आयोग ने दो विशेष न्यायपीठ गठित किए हैं। मुख्य न्यायपीठ का नेतृत्व अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक करेंगी। यह पीठ महिला उत्पीड़न से जुड़े गंभीर मामलों की सुनवाई कर त्वरित निर्णय लेगी। सहायक न्यायपीठ में आयोग की अन्य सदस्य शामिल रहेंगी, जो ऐसे मामलों पर ध्यान देंगी जिनमें काउंसलिंग और आपसी समझौते से समाधान संभव है।

संभागवार सुनवाई का कार्यक्रम

महा जन-सुनवाई सप्ताह के तहत पांचों संभागों में अलग-अलग तिथियों पर सुनवाई की जाएगी। 9 मार्च झ सरगुजा संभागः अंबिकापुर में आयोजित सुनवाई में सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और जशपुर जिलों के 101 मामलों की सुनवाई होगी। 10 मार्च को बिलासपुर संभागः बिलासपुर में बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों के 169 प्रकरणों पर सुनवाई की जाएगी। 11 मार्च को दुर्ग संभागः दुर्ग में दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के 113 मामलों की सुनवाई होगी। 12 मार्च को रायपुर संभागः रायपुर में रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, धमतरी और महासमुंद जिलों के 292 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। 13 मार्च को बस्तर संभागः जगदलपुर में बस्तर, कोंडागांव, सुकमा, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर जिलों के 87 मामलों पर सुनवाई होगी।

अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने कहा कि यह महा जन-सुनवाई सप्ताह प्रदेश की महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखें, ताकि उनका त्वरित समाधान किया जा सके। आयोग का लक्ष्य है कि राज्य की कोई भी महिला उत्पीड़न का शिकार न हो और उसे समय पर न्याय मिल सके।

खास खबर

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन10 मार्च को जिला कार्यालय की रोजगार शाखा में

रायपुर। निजी क्षेत्र के संस्थानों में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक समस्त 18 वर्ष से अधिक उम्र के आवेदकों को सूचित किया जाता है कि प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से अहर्ताधारी आवेदकों का चयन कर कुल 50 पदों पर भर्ती किया जाना है। जिसमें केवल पुरूष अभ्यर्थी के लिए यह अवसर प्रदाय किया जा रहा है। कार्य करने हेतु जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बीजापुर में 10 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक इच्छुक अभ्यर्थी समस्त दस्तावेजों के साथ प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर +91-9893026590 में संपर्क कर सकते हैं तथा जिला रोजगार कार्यालय बीजापुर, छत्तीसगढ़ के टेलीग्राम ग्रुप लिंक https:t.me/emplyoment_office_bijapur_cg में जुड़कर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत : समाधान योजना लागू

रायपुर। बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा समाधान योजना 2026ह्न लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से लंबे समय से बकाया बिजली बिल वाले उपभोक्ताओं को सरचार्ज में विशेष छूट प्रदान कर बकाया राशि के निराकरण का अवसर दिया जा रहा है। आदेशानुसार योजना का लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा जिनके विद्युत देयक 31 मार्च 2023 तक बकाया हैं। योजना के तहत यदि उपभोक्ता निर्धारित अवधि में बकाया मूल राशि का भुगतान करते हैं तो उन पर लगाए गए अधिभार (सरचार्ज) में छूट प्रदान की जाएगी। इससे बड़ी संख्या में घरेलू एवं अन्य उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत मिलेगी। विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बकाया राशि से राहत दिलाना तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करना है। इसके लिए उपभोक्ता नजदीकी विद्युत कार्यालय में संपर्क कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी द्वारा सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयावधि में योजना का लाभ लेते हुए अपने बकाया बिजली बिलों का भुगतान करें, जिससे सरचार्ज में छूट का लाभ मिल सके और विद्युत सेवा सुचारू रूप से संचालित हो सके।

स्वच्छता सखियों ने बदल दी ग्राम पंचायत की तस्वीर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि मन में दृढ़ संकल्प हो, एकता हो और समाज के लिए कुछ करने की भावना हो, तो सकारात्मक परिवर्तन अवश्य लाया जा सकता है। आज कोरिया जिले के अंजनि, हीरा मनी, लीलावती और मित्तल अपने गाँव में स्वच्छता की एक मिसाल बन चुकी हैं और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। इनका यह कार्य स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनकी मेहनत यह संदेश देती है कि संकल्प, सहयोग और निरंतर प्रयास से गाँव को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

कोरिया जिले में जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बुडार की चार महिलाएँ अपने अथक समर्पण, मेहनत और एकजुटता के कारण पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। ग्राम पंचायत में रहने वाली श्रीमती अंजनि, हीरा मनी, लीलावती और मित्तल ने ग्राम पंचायत में प्रेरणा का एक नया माहौल बनाया है। ये महिलाएँ पिछले लगभग तीन वर्षों से स्वच्छता दीदी के रूप में लगातार कार्य कर रही हैं और गाँव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

स्वच्छता दीदी बनकर ये महिलाएँ सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को गाँव के घर-घर जाकर कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करती हैं। वे लोगों को समझाती हैं कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने से गाँव स्वच्छ रहता है और कचरे का सही प्रबंधन संभव होता है।

कार्य के प्रारंभिक दिनों में इन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। गाँव के बहुत से लोग कचरा अलग-अलग देने के लिए तैयार नहीं थे और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी कम थी। लेकिन इन महिलाओं ने धैर्य, मेहनत और निरंतर प्रयास से घर-घर जाकर लोगों को समझाया। धीरे-धीरे ग्रामीणों की सोच में सकारात्मक बदलाव आया और अब गाँव के प्रत्येक रहवासी नियमित रूप से कचरा देने लगे हैं। जिससे गांव में स्वच्छता का माहौल बना है।

श्रीमती अंजनि, हीरा मनी, लीलावती और मित्तल ने बताया कि प्रशासन के सहयोग से उन्हें कबाड़ी का काम करने वाले व्यवसायी से भी जोड़ा गया, जिससे वे सूखे कचरे जैसे प्लास्टिक, कागज और अन्य पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर रही हैं। इस कार्य से प्रत्येक महिला को लगभग 2 से 3 हजार रुपए प्रति माह की आय प्राप्त होती है। अब तक ये चारों महिलाएँ मिलकर लगभग 2.5 लाख से अधिक की आय अर्जित कर चुकी हैं, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और उनमें आत्मनिर्भरता की भावना भी बढ़ी है। इन महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत उनकी आपसी एकता और संगठन है, जिसके कारण वे मिल-जुलकर अपने कार्य को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही हैं।

इनके लगातार प्रयासों और उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इन महिलाओं को एक ई-रिक्शा भी प्रदान किया गया है, जिससे उन्हें कचरा संग्रहण के कार्य में काफी सुविधा मिल रही है। इस ई-रिक्शा के माध्यम से अब वे आसानी से घर-घर से कचरा एकत्र कर पाती हैं और अपने कार्य को और अधिक प्रभावी तरीके से कर रही हैं। इन महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के सुशासन से हम महिलाएं सशक्त हुई हैं।

उत्कर्ष योजना से राज्य के विद्यार्थियों को मिल रहा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन द्वारा पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रतिभाशाली लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराया जा रहा है। गौरतलब है कि इस योजना के अंतर्गत कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को राज्य के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है।

योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 200 विद्यार्थियों को राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है, जिनमें से लगभग 130 विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति वर्ग से होते हैं। शासन द्वारा इस योजना के लिए निरंतर बजट का प्रावधान भी किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में 1000 लाख रुपये, 2024-25 में 1100 लाख रुपये तथा 2025-26 में 1100 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन भी सराहनीय रहा है।

वर्ष 2022-23 में 10वीं का परिणाम 100 प्रतिशत तथा 12 वीं का परिणाम 94.95 प्रतिशत रहा। वहीं 2023-24 में 10 वीं का परिणाम 97.26 प्रतिशत तथा 12 वीं का परिणाम 90.24 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसके अलावा 2024-25 में 10 वीं का परिणाम 100 प्रतिशत तथा 12 वीं का परिणाम 97.75 प्रतिशत रहा, जो योजना की सफलता को दर्शाता है। इस प्रकार पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति/जनजाति विकास विभाग आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य उज्ज्वल बन रहा है।

विश्व शान्ति के लिए दादागुरुदेव भक्तों ने किया इक्तिसा जाप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विश्व में भीषण युद्ध के मध्य देश के सवा करोड़ दादागुरुदेव भक्तों ने इक्तिसा जाप कर विश्व को शान्ति का सन्देश दिया। जिनमणिप्रभ सूरीश्वर ने विश्व के नेताओं से अपील की कि भगवान महावीर के अहिंसा व जियो और जीने दो के मार्ग पर चलें। अहिंसा , सहिष्णुता , करुणा व जियो और जीने दो के रास्ते पर चलकर ही विश्व में शान्ति का वातावरण निर्मित हो सकता है।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जिनदत्त सूरि त्रिदिवसीय चादर महोत्सव पर पूरे भारतवर्ष में सामूहिक दादागुरुदेव इक्तिसा जाप रखा गया था। शनिवार को जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में भी सैकड़ों भक्तों ने संगीतमय इक्तिसा जाप किया।

छत्तीसगढ़ के आध्यत्म योगी उपाध्याय महेन्द्र सागर का आचार्य पदारोहण होगा। साथ ही भक्तों द्वारा चमत्कारी चादर चोलपट्टा व मुहपत्ती का वासक्षेप पूजन होगा।अभिषेक जल व पूजित वासक्षेप का श्रद्धालुओं में वितरण किया जावेगा। इक्तिसा जाप में निर्वाणा ग्रुप व खरतरगच्छ महिला परिषद की भक्तों ने भाग लिया। इक्तिसा जाप में अध्यक्ष संतोष बैद महासचिव महेन्द्र कोचर ट्रस्टी नीलेश गोलछा , राजेश सिंघी , जय सांखला , डॉ योगेश बंगानी ने विशेष भूमिका निभाई।

इक्तिसा जाप व गुरुप्रसादी के लाभार्थी तिलोकचंद शांतिलाल अशोक कुमार बरड़िया, श्रीमती पानी बाई आसकरण भंसाली (कल्पवृक्ष) परिवार, अशोक पुष्पा देवी, प्रशांत रीनू रायना रचित कोचर, एम आर कालोनी रायपुर, श्रीमती वर्तिका वर्धमान वैभव चोपड़ा वालफोर्ट, स्व . पांचीलाल पारख की पुण्य स्मृति में श्रीमती सरस देवी-राजेन्द्र नरेन्द्र वीरेन्द्र पारख परिवार, रायपुर, रिखब संखलेचा की स्मृति में दिलीप कुमार धैर्य कुमार संखलेचा अरिहंत हाइट्स फेस 2, श्रीमति भंवरीदेवी करनमल घीया परिवार थे।

महिला दिवस : स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहीं धमतरी जिले की महिलाएं

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

प्रतिवर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिवस समाज में महिलाओं के योगदान, उनके अधिकारों और सशक्तिकरण को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव अब गांव-गांव तक दिखाई देने लगा है।

धमतरी जिले में भी शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी अंचलों की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि परिवार और समाज में अपनी सशक्त पहचान भी बना रही हैं।

जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत बड़ी संख्या में महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत और आंतरिक ऋण की व्यवस्था के साथ-साथ विभिन्न आजीविका गतिविधियों

से जुड़कर आय अर्जित कर रही हैं। कई महिला समूह खेती-किसानी के साथ सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, कुक्कुट पालन, बकरी पालन, डेयरी व्यवसाय, मछली पालन तथा लघु उद्योगों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिला समूहों द्वारा जैविक खेती, सब्जी उत्पादन और पोषण वाटिका जैसी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे न केवल महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार हो रहा है। शासन द्वारा प्रशिक्षण, बैंक ऋण सुविधा, विपणन सहयोग और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर महिलाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है।

धमतरी जिले के कई गांवों में महिला समूहों ने सामूहिक उत्पादन और विपणन की सफल पहल की है। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आर्थिक निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभाने लगी हैं। अनेक महिला समूह स्थानीय हाट-बाजारों के साथ-साथ विभिन्न मेलों और प्रदर्शनियों में अपने उत्पादों का विक्रय कर रही हैं।

इसके अलावा शासन द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण कार्यक्रमों और कौशल विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं के समग्र विकास को प्रोत्साहित किया जा रहा है। धमतरी जिले की महिलाएं केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि खेती, उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों और अन्य आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। शासन की योजनाओं और सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप ग्रामीण और आदिवासी अंचलों की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर यह स्पष्ट है कि जब महिलाओं को अवसर, संसाधन और प्रोत्साहन मिलता है, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। धमतरी जिले की महिलाएं भी इसी आत्मविश्वास और संकल्प के साथ आत्मनिर्भरता की राह पर निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

इस वर्ष महिला दिवस की थीम दान करके लाभ प्राप्त करें है। इसका संदेश है कि जब हम समाज में सहयोग, समर्थन और अवसर प्रदान करते हैं, तो उसका सकारात्मक लाभ पूरे समाज को मिलता है। आइए, हम सभी मिलकर सहयोग और सहभागिता की भावना के साथ लैंगिक समानता को बढ़ावा दें और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ें।

बैगा-बिरहोर आदिवासियों के गांव पहुंचे राज्यपाल, योजनाओं का जाना हाल

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान कोटा विकासखंड के शिवतराई पहुंचकर बैगा और बिरहोर जनजाति के लोगों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने उनकी जीवनशैली, पारंपरिक संस्कृति तथा शासन की योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल ने आचर्री के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को 5-5 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने खिलाड़ियों को लोकभवन रायपुर आने का निमंत्रण दिया तथा कलेक्टर को उनके आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल डेका ने करका की लखपति दीदी श्रीमती प्रमिला बैगा से चर्चा की। उन्होंने बताया कि वे गोंदा स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह की श्रीमती रश्मि मरावी ने बताया कि उनके समूह द्वारा सिलाई-मशीन का काम, अचार-पापड़ निर्माण सहित अन्य आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बैगा महिलाओं द्वारा बांस से विभिन्न उपयोगी उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि बैगा और बिरहोर समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराएं उनकी पहचान हैं। उन्होंने लोगों से अपनी संस्कृति को सहेजकर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए भी अपनी परंपराओं को विलुप्त न होने दें। उन्होंने कहा कि बांस के उत्पाद और पारंपरिक गहने बनाना सिखाने के लिए प्रशिक्षक की भी व्यवस्था की जाएगी। राज्यपाल ने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने पर भी जोर दिया। इस दौरान सरपंच ने बताया कि यहां पीएम जनमन योजना के तहत 265 आवास स्वीकृत हुए हैं।

संपादकीय

लक्ष्मी वर्मा को चुप रहकर काम करने का फल मिला

भाजपा में चुप रहकर काम करने वालों को उसका फल एक न एक दिन जरूर मिलता है और इस तरह मिलता है जब वैसा फल मिलने की उम्मीद नहीं रहती है। राज्य सभा के लिए लक्ष्मी वर्मा का नाम तय हो जाने से साफ हो गया है कि भाजपा में ऐसे लोगों को पसंद किया जाता है और ऊंचा पद दिया जाता है जो हर हाल में चुप रहकर पार्टी का काम ईमानदारी से करते रहते हैं।कई बार मौका मिलने पर उनको विधायक, सांसद प्रत्याशी नहीं बनाए जाने पर भी कोई शिकायत नहीं करता है। लक्ष्मी वर्मा की यह भी खासियत बताई जाती हैं जब पार्टी में उनको कोई पद नहीं दिया जा रहा था तो उन पर कांग्रेस प्रवेश का दवाब बढ़ गया था, परिवार कांग्रेसी होने के बाद भी वह भाजपा की राजनीति करती रही और कभी कांग्रेस में जाने को सोचा नहीं। उनकी भाजपा के प्रति यह निष्ठा और चुप रहकर काम करने की आदत भी एक कारण है जिसके कारण उनको भाजपा का राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किया गया है।

माना जा रहा था कि इस बार भाजपा राज्यसभा के लिए किसी महिला को अपना प्रत्याशी बना सकती है, इसके लिए तीन लोगों के नाम था जिसमें एक नाम लक्ष्मी वर्मा का था। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भाजपा में कई महिला नेत्रियां ऐसी थीं जिनको राज्यसभा प्रत्याशी बनाया जा सकता था,लक्ष्मी वर्मा को ही क्यों बनाया गया । माना जाता है कि केंद्रीय नेतृत्व ने जातिगत समीकरण के अलावा ओबीसी वर्ग से कुर्मी जाति का प्रतिनिधित्व करती हैं, इसलिए भी उनको राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया गया बताया जाता है कि उनको राज्यसभा प्रत्याशी इसलिए बनाया गया है कि यहां मुख्यमंत्री आदिवासी वर्ग से है,साहू समाज से केंद्रीय मंत्री व उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं,इसलिए राज्यसभा प्रत्याशी कुर्मी समाज से बनाया गया है। राज्य में ओबीसी व आदिवासी समाज का बड़ा महत्व है,दोनों समाज को भाजपा की राजनीति में संतुलित करने से दोनों समाज की स्थिति राज्य राजनीति में मजबूत होती है। इसका फायदा हर तरह के चुनाव में मिल सकता है।

इसके अलावा वह भी जमीन से जुड़ी रही हैं और नीचे से ऊपर आई हैं। बताया जाता है कि उनका राजनीतिक जीवन जमीनी मुद्दों,सामाजिक सरोकारों और महिला सशक्तीकरण के प्रति समर्पण का रहा है।बताया जाता है कि उन्होंने वर्ष 1994 में रायपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 7 से पार्षद के रूप में राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा। नगर की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2010 से 2015 तक वह जिला पंचायत रायपुर की अध्यक्ष रहीं। कुर्मी समाज व विभिन्न महिला संगठनों से जुड़ी रहीं। वह महिला मोर्चा में रहीं, भाजपा प्रवक्ता भी रहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष पद का दायित्व भी संभाला। उनके नाम की चर्चा विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव के वक्त भी रही।उनको टिकट नहीं दिया गया तो उन्होंने कोई शिकायत नहीं की। जब उनका नाम विधानसभा के लिए चला तो उनकी जगह लक्ष्मी बघेल को टिकट दे दिया। दूसरी बार टंकराम वर्मा को टिकट दे दिया गया। इसी तरह जब उनका नाम लोकसभा चुनाव के समय चला तो उनकी जगह बृजमोहन अग्रवाल को टिकट दे दिया गया।इतनी बार टिकट न मिलने पर कोई भी निराश हो जाता लेकिन लक्ष्मी वर्मा कभी निराश नहीं हुई। पार्टी ने जो काम उनको सौंपा वह काम उन्होंने मन लगाकर किया।

राज्य में भाजपा सरकार बनी तो उनको महिला आयोग का सदस्य बनाया गया।वहां उनकी अध्यक्ष किरणमयी नायक से नहीं जमी लक्ष्मी वर्मा के बारे में यह भी बताया जाता है कि उनका ससुराल व मायका दोनों पक्ष कांग्रेस से जुड़ा रहा है। वह अकेली भाजपा से जुड़ी रहीं और उनको कई बार टिकट न मिलने पर भी जुड़ी रही। उन पर शुरू से कांग्रेस से जुड़ने का काफी दवाब रहा लेकिन वह दिल से भाजपा से जुड़ी रहीं और कभी अलग होने को सोचा नहीं।माना जाता है कि यह बात भी केंद्रीय नेतृत्व को पंसद आई कि भाजपा से जुड़ी तो फिर कभी अलग होने को नहीं सोचा, विपरीत स्थिति में भी नहीं सोचा। भाजपा में नेताओं को आजमाया जाता है देखा जाता है कि पद के प्रति निष्ठा है या भाजपा के प्रति निष्ठा है. जो चुपचाप भाजपा के प्रति निष्ठावान बना रहता है, उसे समय आने पर बड़ा पद दिया जाता और पार्टी के अ ट्ये लोगों को संदेश दिया जाता है कि पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखकर काम करते रहो, पद तो एक दिन आपको बड़ा ही दिया जाएगा।

अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस : वैदिक परंपरा में नारी का गौरव और स्वामी दयानन्द का नारी-उत्थान संदेश

आचार्य डॉ. अजय आर्य

भारतीय संस्कृति की मूल चेतना में नारी को केवल परिवार की सदस्य नहीं, बल्कि धर्म, ज्ञान, संस्कृति और समाज की आधारशिला माना गया है।वैदिक साहित्य, उपनिषद, स्मृतियाँ, नीतिशास्त्र और आधुनिक युग के समाज-सुधार आंदोलनों का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि भारतीय चिंतन में नारी को सम्मान, शिक्षा और स्वतंत्र व्यक्तित्व का अधिकार प्राप्त था।इतिहास के अनेक कालखंडों में सामाजिक कुरीतियों के कारण यह स्थिति कमजोर अवश्य हुई, परंतु मूल वैदिक दृष्टि सदैव नारी-सम्मान और समानता की पक्षधर रही है।

भारतीय धर्मशास्त्रों में नारी के सम्मान का सबसे प्रसिद्ध वचन मनुस्मृति में मिलता है—

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला क्रियाः॥'
(मनुस्मृति 3.56)

अर्थात जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है वहाँ देवताओं का वास होता है, और जहाँ उनका सम्मान नहीं होता वहाँ सभी धार्मिक कर्म निष्फल हो जाते हैं। यह श्लोक भारतीय संस्कृति के उस आदर्श को स्पष्ट करता है जिसमें नारी को केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि धार्मिक और नैतिक प्रतिष्ठा भी प्राप्त है।

वेदों में भी नारी को सम्मानित स्थान दिया गया है। ऋग्वेद में विवाह के अवसर पर वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा गया है—

'सम्राज्ञी श्वशुरे भव सम्राज्ञी श्वश्वां भव।
ननान्दरि सम्राज्ञी भव सम्राज्ञी अधि देवृषु॥' (ऋग्वेद 10.85.46)

अर्थात वधू अपने ससुराल में सम्राज्ञी अर्थात सम्मानित और प्रतिष्ठित बने। यह मंत्र स्पष्ट करता है कि वैदिक समाज में स्त्री को केवल आश्रित नहीं बल्कि परिवार की केंद्रबिंदु और सम्मानित सदस्य माना गया था।

एक अन्य वैदिक मंत्र ज्ञान और विचार की स्वतंत्रता का संकेत देता है—

'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।' (ऋग्वेद 10.191.2)

अर्थात मिलकर चलो, मिलकर विचार करो और अपने मनों को एक बनाओ। यह वैदिक दृष्टि स्त्री-पुरुष दोनों के समान बौद्धिक सहभागिता की ओर संकेत करती है।

इतिहास प्रमाण देता है कि वैदिक युग में स्त्रियाँ केवल गृहकार्य तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे विदुषी, दार्शनिक और शास्त्रार्थ करने वाली भी थीं। उपनिषदों में वर्णित गार्गी वाचक्नवी का उदाहरण अत्यंत प्रसिद्ध है। राजा जनक के दरबार में आयोजित ब्रह्मविद्या के महान शास्त्रार्थ में गार्गी ने महर्षि याज्ञवल्क्य से ब्रह्मांड और परम सत्य से जुड़े गूढ़ प्रश्न पूछे थे। यह घटना दर्शाती है कि उस समय स्त्रियाँ उच्चतम दार्शनिक विमर्श में भी सहभागी थीं।

इसी प्रकार मैत्रेयी का संवाद भी अत्यंत प्रसिद्ध है। जब महर्षि याज्ञवल्क्य गृहत्याग की तैयारी कर रहे थे, तब मैत्रेयी ने उनसे पूछा—

'येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम्'

अर्थात यदि धन से अमरत्व प्राप्त नहीं होता तो उस धन का क्या उपयोग? यह प्रश्न वैदिक जिज्ञासा नहीं बल्कि गहन आध्यात्मिक दृष्टि का प्रतीक है।

भारतीय परंपरा में मदालसा का उदाहरण भी प्रेरणादायक है। मार्कण्डेय पुराण में वर्णित कथा के अनुसार मदालसा अपने पुत्रों को बचपन से ही आत्मज्ञान का उपदेश देती थीं—

'शुद्धोऽसि बुद्धोऽसि निरञ्जनोऽसि।'

अर्थात तुम शुद्ध, बुद्ध और निर्मल आत्मा हो। यह शिक्षा दर्शाती है कि भारतीय संस्कृति में नारी केवल माता ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक गुरु भी थी।

वैदिक साहित्य में अनेक ऋषिकाओं का उल्लेख मिलता है। इनमें प्रमुख हैं— गार्गी वाचक्नवी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा, घोषा, अपाला, विश्ववारा, अदिति, रोमशा, उर्वशी, श्रद्धा, वाक अम्भृणी, इन्द्राणी, सावित्री, सूर्या आदि।

इन ऋषिकाओं ने ऋग्वेद के अनेक सूक्तों के ज्ञान विज्ञान को जनमानस के समक्ष रखा और ऋषिका पद से विभूषित हुईं। इससे स्पष्ट है कि वैदिक युग में स्त्रियों को वेदाध्ययन और आध्यात्मिक चिंतन का अधिकार प्राप्त था।

इतिहास में स्त्रियों की सक्रियता के अन्य उदाहरण भी मिलते हैं। रामायण में वर्णित कथा के अनुसार कैकेयी युद्धभूमि में राजा दशरथ के साथ रथ संचालन करते हुए देवासुर संग्राम में उपस्थित थीं। यह घटना बताती है कि स्त्रियाँ केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर युद्ध और राजनीति में भी सहभागी होती थीं।

भारतीय दार्शनिक परंपरा में आदि गुरु जगद्गुरु शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच हुए प्रसिद्ध शास्त्रार्थ का उदाहरण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उस शास्त्रार्थ का निर्णायक मंडन मिश्र की पत्नी उभय भारती को बनाया गया था। यदि स्त्रियों को ज्ञान और विवेक का अधिकार न होता, तो इतने महत्वपूर्ण दार्शनिक वाद-विवाद का निर्णय किसी विदुषी स्त्री को कैसे सौंपा जाता? यह घटना दर्शाती है कि भारतीय परंपरा में स्त्री की बुद्धि और विद्वत्ता का सम्मान किया जाता था।

संस्कृत साहित्य के महान ग्रंथ नीतिशतक में भर्तृहरि कहते हैं—

'विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्'

अर्थात विद्या मनुष्य का सर्वोत्तम रूप और छिपा हुआ धन है। जब विद्या ही मनुष्य की वास्तविक संपत्ति है, तब स्त्री को उससे वंचित करना भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

उन्नीसवीं शताब्दी में जब भारतीय समाज अनेक सामाजिक कुरीतियों से ग्रस्त था, तब स्वामी दयानन्द सरस्वती ने वैदिक सिद्धांतों के आधार पर समाज-सुधार का महान आंदोलन प्रारंभ किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वेदों में कहीं भी स्त्री-पुरुष के बीच शिक्षा के अधिकार में भेद नहीं किया गया है। अपनी महान कृति 'सत्यार्थ प्रकाश' में स्वामी दयानन्द ने स्त्री शिक्षा के महत्व पर स्पष्ट विचार व्यक्त किए हैं। वे लिखते हैं— 'स्त्रियों को भी वेद और शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि वे भी पुरुषों के समान बुद्धि और आत्मा से युक्त हैं।' (सत्यार्थ प्रकाश, तृतीय समुल्लास) एक अन्य स्थान पर उन्होंने लिखा—'जैसी शिक्षा पुरुषों को दी जाए वैसी ही स्त्रियों को भी दी जानी चाहिए, क्योंकि शिक्षित माता ही योग्य संतानों का निर्माण करती है।' स्वामी दयानन्द का यह विचार अत्यंत क्रांतिकारी था, क्योंकि उस समय समाज में स्त्री शिक्षा का विरोध किया जाता था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि स्त्री शिक्षित होगी तो पूरा समाज शिक्षित होगा, क्योंकि माता ही बालक की प्रथम गुरु होती है।

स्वामी दयानन्द के इन विचारों से प्रेरित होकर आर्य समाज ने स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए। देशभर में कन्या गुरुकुल, विद्यालय और शिक्षण संस्थान स्थापित किए गए। गुरुकुल कांगड़ी, जालंधर और अन्य स्थानों पर स्थापित कन्या गुरुकुलों ने हजारों महिलाओं को शिक्षा, आत्मसम्मान और सामाजिक अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आर्य समाज के इस आंदोलन का प्रभाव इतना व्यापक था कि स्वतंत्र भारत के अनेक नेताओं ने इसकी प्रशंसा की। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आर्य समाज के एक समारोह में कहा था कि भारतीय समाज में स्त्री शिक्षा और समानता की चेतना जगाने में स्वामी दयानन्द के विचारों का महत्वपूर्ण योगदान है। इस प्रकार भारतीय संस्कृति का मूल संदेश स्पष्ट है कि नारी केवल परिवार की संरक्षिका नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की निर्माता है। वह ज्ञान की धारिणी, संस्कारों की जननी और सभ्यता की वाहक है। वेदों से लेकर आधुनिक युग तक यह विचार निरंतर प्रतिध्वनित होता रहा है कि नारी का सम्मान और शिक्षा ही समाज की वास्तविक प्रगति का आधार है।

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हमें इस वैदिक दृष्टि को पुनः स्मरण करना चाहिए कि नारी को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर देना केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का मूल सिद्धांत है। यही संदेश वेदों ने दिया, यही विचार स्वामी दयानन्द ने पुनर्जीवित किया, और यही आदर्श एक समतामूलक, शिक्षित और प्रगतिशील समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है।

परंतु विडम्बना यह है कि जिस संस्कृति ने नारी को 'सम्राज्ञी' कहा, उसी समाज के कुछ संकुचित विचार आज भी स्त्री को अपवित्र कहने का दुस्साहस करते हैं। कभी मासिक धर्म को लेकर, कभी रूढ़ियों के नाम पर, तो कभी अज्ञान के कारण स्त्री को हीन समझने की प्रवृत्ति देखने को मिलती है। यह विचार न केवल अवैदिक है बल्कि साधारण बुद्धि के भी प्रतिकूल है। यदि स्त्री को अपवित्र कहा जाए तो एक सरल प्रश्न उठता है—जिस स्त्री के गर्भ से समूचा मानव समाज उत्पन्न होता है, यदि वही 'अपवित्र' है तो उसके गर्भ से जन्म लेने वाला मनुष्य 'पवित्र' कैसे हो गया? यदि किसी की दृष्टि में 'फैक्ट्री' ही गंदी है तो उसका 'उत्पादन' पवित्र कैसे माना जा सकता है?

वास्तव में यह विचार ही स्वयं अपनी मूर्खता का परिचय देता है। भारतीय संस्कृति ने इसलिए माता को सर्वोच्च स्थान दिया है। तैत्तिरीय उपनिषद का महान वचन है—'मातृदेवो भव' अर्थात माता को देवता के समान मानो। क्योंकि वही जीवन की प्रथम निर्माता है, वही संस्कारों की प्रथम गुरु है और वही समाज की वास्तविक शिल्पकार है। इसीलिए प्राचीन भारतीय वाङ्मय में कहा गया—'माता निर्माता भवति' अर्थात माता ही समाज और राष्ट्र के निर्माण की वास्तविक कर्त्री है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने आचरण और विचार दोनों को वैदिक दृष्टि के अनुरूप बनाएं। नारी को हीन बताने वाली रूढ़ियों का परित्याग करें और उस परंपरा को पुनर्जीवित करें जिसने गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा और मदालसा जैसी महान विदुषियों को जन्म दिया। जब समाज यह समझ लेगा कि नारी का सम्मान ही संस्कृति का सम्मान है, तभी 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते' का आदर्श वास्तव में साकार होगा। अन्यथा देवताओं को दोष देने से पहले हमें अपने ही आचरण के आईने में झाँकना पड़ेगा।

(लेखक आर्य जगत के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान एवं प्रतिष्ठित विचारक हैं)

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना: जमुना पाण्डे का घर सौर ऊर्जा से हो रहा रोशन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर आमजनों को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से मुंगेली जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

नगर पंचायत सरगाँव की जमुना पाण्डे ने अपने आवास पर 02 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। सोलर संयंत्र के चालू होते ही उनका घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहा है। जमुना पाण्डे ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना होने से बिजली बिल से राहत मिली है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सरल प्रक्रिया और सब्सिडी सुविधा ने उन्हें सोलर सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया। 02 किलोवाट सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद न केवल उनके घर के बिजली बिल में कमी आई है, बल्कि वे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने इस योजना को आम आदमी के लिए राहत और भविष्य के लिए निवेश बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे सौर ऊर्जा को अपनाकर न केवल आर्थिक लाभ प्राप्त करें, बल्कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में सहभागी बनें।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापना पर केन्द्र और राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। 01 किलोवाट क्षमता पर 45 हजार रुपये, 02 किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा 03 किलोवाट क्षमता के सोलर सिस्टम पर 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। यह प्रावधान सोलर ऊर्जा को आम नागरिकों के लिए सुलभ और किफायती बना रहा है। आमजनों को योजना के लिए प्रोत्साहित करने शासन के निर्देशानुसार बैंकों द्वारा कम ब्याज दर पर आसान किश्तों में ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे आमजनों को योजना का लाभ लेना आसान हो गया है।

मिलेट्स कैफे से चमकी महिलाओं की किस्मत

राज्य सरकार की सहयोग से कोरिया जिले के कलेक्टरेट परिसर में संचालित 'कोरिया मिलेट्स कैफे' आज महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित इस कैफे में 31 महिलाएं मिलकर स्वादिष्ट और सेहतमंद मिलेट्स आधारित व्यंजन तैयार कर रही हैं। अपनी गुणवत्ता और स्वाद के कारण यह कैफे लोगों की पसंदीदा जगह बन गया है। यहां कार्यरत अधिकांश महिलाएं अब 'लखपति दीदी' के रूप में भी पहचान बना चुकी हैं।

वर्ष 2023 में डीएमएफ की सहायता से शुरू हुए इस कैफे में कोदो शाही खीर, ज्वार का गुलाब जामुन, कोदो उपमा, रागी चीला, बाजरा चीला, ज्वार चीला, ज्वार पकोड़ा, बाजरा डोसा, ज्वार पराठा, कोदो कर्ड राइस, कोदो फ्राइड राइस, मिलेट्स पनीर चिल्ही और मिलेट्स मंचूरियन जैसे कई प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं। कोरिया मिलेट्स कैफे की खास बात यह है कि यहां विभिन्न धर्म, वर्ग और जाति की महिलाएं मिलकर कार्य कर रही हैं। कैफे में कार्यरत सुश्री हिना ने बताया कि कैफे शुरू करने से पहले उन्होंने रायपुर में 18 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें मिलेट्स से बनने वाले विभिन्न व्यंजनों को बनाना सिखाया गया। उन्होंने सरगुजा, महासमुंद, कोरबा और मुंगेली-बिलासपुर में भी सात दिवसीय प्रशिक्षण देकर अन्य महिला समूहों को प्रशिक्षित किया।

अब तक करीब 32 महीनों में कोरिया मिलेट्स कैफे ने लगभग 1 करोड़ 65 लाख रुपये का कारोबार किया है, जिसमें से 62 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। जिले में आयोजित राज्योत्सव और कोरिया महोत्सव जैसे आयोजनों में भी इस कैफे के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां लोगों को मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलता है।

अगस्त 2025 में महाराष्ट्र के जलगांव में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कोरिया मिलेट्स कैफे की महिलाओं से बातचीत कर उनके कार्यों की सराहना की थी। हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरिया महोत्सव के दौरान यहां बने व्यंजनों का स्वाद लिया और महिलाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बताया कि जिले की महिलाओं में जीवटता और जुनून है। कोरिया मिलेट्स कैफे इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। यहां की स्वच्छता, स्वादिष्ट और सेहतमंद भोजन-नाश्ते ने कम समय में इसे अलग पहचान दिलाई है। निश्चित ही यह कैफे अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक बन रहा है। कैफे में कार्यरत महिलाओं का कहना है कि इस पहल से उन्हें न केवल रोजगार मिला है, बल्कि समाज में सम्मान और पहचान भी मिली है। पहले जहां उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था, वहीं अब वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं।

सू- दोकू क्र.335

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र334का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

जैविक खेती से आत्मनिर्भर बनीं लखपति दीदी- राधा बाई वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जैविक खेती से आत्मनिर्भर बनी खैरागढ़ विकासखंड के ग्राम खमतराई निवासी राधा बाई वर्मा आज अपने परिश्रम, लगन और नवाचार के दम पर क्षेत्र में लखपति दीदी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। कभी सीमित संसाधनों के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने वाली राधा वर्मा आज जैविक खेती, सब्जी उत्पादन, मछली पालन और जैविक कीटनाशक निर्माण जैसे विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

संघर्ष से सफलता की ओर

स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले राधा वर्मा का परिवार मुख्य रूप से पारंपरिक धान की खेती पर निर्भर था। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण करना भी मुश्किल हो जाता था। वर्ष 2017 में उन्होंने ओम साईं स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में बदलाव की शुरुआत की। समूह से ऋण लेकर उन्होंने खेती को आधुनिक और टिकाऊ बनाने का संकल्प लिया।

कृषि सखी बनकर मिली नई दिशा

इसी वर्ष उनका चयन कृषि सखी के रूप में हुआ। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने जैविक खेती के महत्व और इसके लाभों को समझा। इसके बाद उन्होंने जैविक खाद और जैविक कीटनाशक बनाना शुरू किया तथा अपनी खेती में इनका उपयोग प्रारंभ किया। धीरे-धीरे उन्होंने पूरी तरह जैविक खेती अपनाई और सब्जी उत्पादन भी शुरू किया।

आजीविका के विविध स्रोत

राधा वर्मा ने खेती को ही अपनी सफलता का आधार बनाया। उन्होंने सब्जी उत्पादन, धान की खेती, मछली पालन और जैविक कीटनाशक निर्माण जैसे विभिन्न कार्यों को अपनाया। वे जैविक कीटनाशक बनाकर कृषि विभाग तथा आसपास के किसानों को भी उपलब्ध कराती हैं।

प्रशिक्षण देकर बन रही हैं प्रेरणा

राधा वर्मा केवल स्वयं ही आगे नहीं बढ़ीं, बल्कि उन्होंने आसपास के गांवों के किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रेरित किया। वे कृषि सखी के साथ-साथ मास्टर ट्रेनर के रूप में किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण दे रही हैं। वर्ष 2025 से वे कृषि विभाग के साथ मास्टर ट्रेनर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं, जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन 500 रुपये का मानदेय प्राप्त होता है।

उनकी वार्षिक आय विभिन्न गतिविधियों से इस प्रकार है सब्जी खेती से लगभग 3 लाख रुपये, धान की खेती से लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये, मछली पालन से लगभग 18 हजार रुपये, जैविक दवाइयों के विक्रय से लगभग 12 हजार रुपये, कृषि सखी के रूप में लगभग 24 हजार रुपये तथा मास्टर ट्रेनर के रूप में लगभग 12 हजार रुपये की आय प्राप्त होती है। इस प्रकार उनकी कुल वार्षिक आय लगभग 5 लाख 16 हजार रुपये तक पहुंच गई है, जिससे वे लखपति दीदी के रूप में स्थापित हो चुकी हैं।

उपलब्धि और सम्मान

जैविक खेती के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए 9 नवम्बर 2025 को उन्हें राजभवन, रायपुर में राज्यपाल रमेन डेका से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उन्हें 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई।

स्व-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं बन रही आत्मनिर्भर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसका प्रेरणादायक उदाहरण सक्ति जिला के जनपद पंचायत डभरा के ग्राम पंचायत डोमनपुर की सखी सहेली महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती रेवती साहू हैं।

इस समूह की अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी बरेठ तथा सचिव श्रीमती रेवती साहू हैं। समूह को एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत आरएफ राशि 15 हजार रुपये एवं सीआईएफ राशि 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई है। इसके साथ ही बैंक लिंकेज के माध्यम से भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई। स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले श्रीमती रेवती साहू घरेलू कार्यों तक ही सीमित थीं और उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था। लेकिन समूह की नियमित बैठकों, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से उन्हें स्वरोजगार करने की प्रेरणा मिली और उन्होंने घर के कार्यों के साथ आर्थिक गतिविधि शुरू करने का निर्णय लिया।

सबसे पहले श्रीमती रेवती साहू ने सेटरिंग प्लेट व्यवसाय की शुरुआत की। इस कार्य के लिए उन्हें एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से 1 हजार रुपये तथा सीआईएफ से 60 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 2025 में उन्हें बैंक लिंकेज के माध्यम से 10 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें से 4 लाख रुपये से सेटरिंग प्लेट सामग्री क्रय कर व्यवसाय का विस्तार किया गया। इस व्यवसाय से वतर्मान में उन्हें लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है।

आय के स्रोत को और मजबूत करने के लिए श्रीमती रेवती साहू ने मशरूम उत्पादन का कार्य भी शुरू किया। वतर्मान में वे प्रतिदिन लगभग 10 किलोग्राम मशरूम का उत्पादन कर आसपास के बाजारों में विक्रय करती हैं। इस गतिविधि से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60 हजार से 70 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

आज श्रीमती रेवती साहू अपनी मेहनत, लगन और एनआरएलएम (बिहान) योजना के सहयोग से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वे अपने परिवार का सफलतापूर्वक भरण-पोषण कर रही हैं और उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। श्रीमती रेवती साहू की यह सफलता अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह उदाहरण दर्शाता है कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनकर लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर सकती हैं।

खास खबर

बिहान से मिली नई उड़ान, ड्रोन तकनीक से किसानों की मदद कर आत्मनिर्भर बनीं सीमा

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक परेशानियों के बीच जीवन बिताने वाली बिलासपुर जिले के ग्राम पंचायत पौंड़ी, जनपद पंचायत मस्तूरी की सीमा वर्मा आज अपने साहस, मेहनत और नई तकनीक को अपनाने की लगन से सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ह्यबिहानह्ल से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन की दिशा बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। गांव में आज ड्रोन दीदी कहलाती हैं।

वर्ष 2014 में सीमा वर्मा ने जय मां गायत्री स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। शुरुआत में उन्होंने समूह के साथ बचत और छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया। बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के अवसर मिले और उन्होंने पैरा मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू किया। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाया, जिससे उन्हें नियमित आय मिलने लगी।

कुछ नया सीखने और आगे बढ़ने की इच्छा ने सीमा को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद शासन की सहायता से उन्हें ड्रोन सेट, जनरेटर और ई-वाहन उपलब्ध कराया गया। इसके बाद उन्होंने किसानों के खेतों में ड्रोन के माध्यम से

कीटनाशक का छिड़काव करना शुरू किया। आज सीमा वर्मा ड्रोन तकनीक के माध्यम से किसानों की खेती को आसान बना रही हैं और सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। गांव में लोग उन्हें अब स्नेहपूर्वक ड्रोन दीदी के नाम से पुकारते हैं। सीमा वर्मा की यह प्रेरक यात्रा साबित करती है कि सही अवसर, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी अपने हौसले के दम पर नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं। ह्यबिहानह्ल योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी और उनके सपनों को नई उड़ान प्रदान की।

ईको-पर्यटन की नई शुरुआत-नेचर कैंप मड हाउस से स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में बारनवापारा अभ्यारण्य के पास स्थित देवपुर रेंज में ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए नेचर कैंप मड हाउस (मिट्टी के घर) शुरू किए गए हैं। ये घर पारंपरिक तरीके से मिट्टी और प्राकृतिक सामग्रियों से बने हैं, जो सैलानियों को प्रकृति के करीब रहने का अनूठा और शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

बलौदाबाजार वनमंडल के देवपुर वन परिक्षेत्र में ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'नेचर कैंप मड हाउस' का शुभारंभ किया गया। यह पहल वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डे के विशेष प्रयासों से शुरू की गई है। इससे स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। गौरतलब है कि नेचर कैंप मड हाउस को प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक शैली से तैयार किया गया है। यहां आने वाले पर्यटकों को प्रकृति के करीब रहने का अनूठा अनुभव मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों की आय के स्थायी साधन विकसित करना है। इस परियोजना के संचालन में स्थानीय वन प्रबंधन समिति और स्व-सहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

इसी क्रम में बारनवापारा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के पर्यटन ग्राम में एक आधुनिक रिसेप्शन भवन का भी शुभारंभ किया गया। पर्यटन विभाग की ओर से यहां पर मड हाउस मॉडल बनाए गए हैं। इन मड हाउस में ठहरने वालों को प्रकृति और ग्रामीण परिवेश का पूरा आनंद मिलेए इसकी व्यवस्था की गई है। बारनवापारा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक रिसेप्शन भवन भी बनाए गए हैं। इन तमाम सुविधाओं और व्यवस्थाओं से स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी, उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा, बेरोजगारी भी कम होगी।

इस नए कैंप को स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक निर्माण शैली के साथ तैयार किया गया है। मिट्टी, लकड़ी और प्राकृतिक सामग्री से बने मड हाउस पर्यावरण के अनुकूल हैं। आसपास के जंगल के साथ पूरी तरह घुलते.मिलते नजर आने वाले ये मड हाउस पर्यटकों को आकर्षित करेंगे। वन विभाग का उद्देश्य है, कि पर्यटन हो लेकिन प्रकृति पर दबाव कम से कम पड़े। इस केंद्र के माध्यम से आने वाले पर्यटकों को अभ्यारण्य की जैव विविधता, वन्यजीवों और प्राकृतिक विरासत की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वन मंत्री केदार कश्यप की मंशा के अनुरूप वन विभाग ऐसे विकास कार्यो को प्राथमिकता दे रहा है, जिनमें वन संरक्षण और स्थानीय विकास का संतुलन बना रहे।

इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर सहित विभागीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। यह पहल देवपुर क्षेत्र को ईको-पर्यटन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

लखपति दीदी बनी कांतिबाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मेहनत, धैर्य और सही मार्गदर्शन से कोई भी महिला अपने जीवन को बदल सकती है। आत्मविश्वास हो तो एक साधारण महिला भी अपने परिवार और समाज के लिए सफलता की नई मिसाल बन सकती है। ऐसे ही उत्तर बस्तर कांकेर जिले के जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के छोटे से गांव परवी की उजाला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती क्रांतिबाई नेताम की कहानी संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास की मिसाल है। साधारण परिवार में रहने वाली क्रांति बाई के जीवन में कई कठिनाइयां थी। परिवार की जिम्मेदारियां, सीमित संसाधन और आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

क्रांति बाई ने बताया कि शुरुआत में उनका जीवन केवल खेती और घर-परिवार तक सीमित थी। उनके चार बच्चों की जिम्मेदारी और एक अनिश्चित भविष्य था, उन्होंने अभावों के बीच स्वाभिमान की मशाल जलाए रखी। वर्ष 2013 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और वे उजाला स्व-सहायता समूह की सदस्य बनीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें ऋण, बचत और आजीविका के नए अवसरों की जानकारी मिली, यही से उनके संघर्ष को नई दिशा मिली। क्रांति बाई ने अपनी 10 एकड़ जमीन में अलग-अलग प्रकार की खेती शुरू की। उन्होंने एसआरआई विधि से धान की खेती के अलावा उड़द और मौसमी सब्जियों की खेती अपनाई। साथ ही उन्होंने रासायनिक खाद के स्थान पर जीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग किया, जिससे खेती की लागत कम हुई और उत्पादन बढ़ा। खेती के साथ-साथ उन्होंने मुर्गी पालन, मछली पालन और लाख की खेती जैसे कार्य भी शुरू किया। उनकी मेहनत और लगन का परिणाम यह हुआ कि लाख उत्पादन से उन्हें अच्छी आमदनी मिलने लगी और उनके उत्पाद की कीमत लगभग 850 रूपए प्रति किलो तक मिलने लगी, इससे उनकी आय में लगातार वृद्धि होती गई।

उन्होंने समूह से 02 लाख 50 हजार रूपए का ऋण लेकर अपने कार्यों का विस्तार किया। आज उनकी मासिक आय लगभग 13,500 रूपए तक पहुंच गई है और वे एक सफल लखपति दीदी के रूप में पहचानी जाती है।

महतारी गौरव वर्ष : महिला सशक्तिकरण के नवयुग की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है। मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने इस वर्ष को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह पहल केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं है, बल्कि महिलाओं को राज्य की विकास यात्रा के केंद्र में स्थापित करने का सशक्त संकल्प है।

विश्वास से निर्माण और अब गौरव की ओर

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष को विश्वास वर्ष के रूप में शासन-प्रशासन और जनता के बीच भरोसे की पुनर्स्थापना को समर्पित किया। इसके बाद दूसरे वर्ष को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाते हुए अधोसंरचना विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति दी गई। अब तीसरा वर्ष महतारी गौरव वर्ष के रूप में माताओं और बहनों को समर्पित किया गया है, जिसमें राज्य की अधिकांश योजनाओं का केंद्रबिंदु महिलाएं होंगी। यह क्रम सरकार की संवेदनशील और समावेशी विकास की सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

आत्मसम्मान और आर्थिक सुरक्षा का आधार

छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना आज महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। इस योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जा रही है। अब तक 15 हजार 595 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से महिलाओं को दी जा चुकी है। हाल ही में 24वीं किस्त के रूप में 68 लाख से अधिक महिलाओं को 641 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई।यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के

आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है। कई महिलाएं इस राशि को केवल घरेलू खर्च तक सीमित न रखकर स्वरोजगार और छोटे व्यवसायों में निवेश कर रही हैं।

रोहनी की प्रेरक कहानी

बालोद जिले के ग्राम खैरडीह की श्रीमती रोहनी पटेल इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। पति की असमय मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। घर में वृद्ध सास की देखभाल और कॉलेज में पढ़ रहे दो बच्चों की पढ़ाई की चिंता उनके लिए बड़ी चुनौती थी।ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना से मिलने वाली राशि को उन्होंने सावधानीपूर्वक बचत कर अपने खेत में सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया। बीज, खाद और कृषि सामग्री की व्यवस्था कर उन्होंने पूरी मेहनत से खेती की।

आज श्रीमती रोहनी पटेल अपने खेत में उगाई गई ताजी सब्जियों को स्थानीय बाजारों में बेचकर नियमित आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं और बच्चों की पढ़ाई भी निर्बाध रूप से जारी है। उनका यह प्रयास गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन चुका है।

बिहान से बदली जिंदगी : यादव

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम कोरदा की श्रीमती माहेश्वरी यादव भी महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरक मिसाल हैं। पहले उनका जीवन सामान्य गृहिणी की तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित था। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ह्यबिहानह्ल से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया।

समूह के सहयोग और परिवार के समर्थन से उन्होंने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। अपनी मेहनत और बेहतर प्रबंधन के बल पर यह दुकान धीरे-धीरे गांव में भरोसेमंद केंद्र बन गई। आज इस दुकान से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की आय हो रही है और वे ह्यलखपति दीदीह्ल बन चुकी हैं। इससे उनके बच्चों की शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

विकसित छग की सशक्त आधारशिला

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के माध्यम से राज्य को समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसमें महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को अनिवार्य तत्व माना गया है। महतारी गौरव वर्ष केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का व्यापक अभियान है। यह वर्ष छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति के सम्मान, आत्मविश्वास और नेतृत्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लेकर आया है। आज प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भरता, नवाचार और नेतृत्व के साथ विकास की नई कहानी लिख रही हैं। यही सशक्त मातृशक्ति विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत आधारशिला बनेगी।

बजट में महिला कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता

राज्य सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 8 हजार 245 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। आंगनबाड़ी एवं पोषण योजनाओं के लिए 2 हजार 320 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए 120 करोड़ रुपये, मिशन वात्सल्य के लिए 80 करोड़ रुपये तथा रानी दुर्गावती योजना के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त 750 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपये और 250 महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह बजटीय प्रावधान महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमा की सुदृढ़ व्यवस्था

महिला सुरक्षा के क्षेत्र में भी राज्य ने प्रभावी तंत्र विकसित किया है। वन स्टॉप सेंटर, 181 महिला हेल्पलाइन और डायल 112 के माध्यम से संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सुखद सहारा योजना के अंतर्गत 2 लाख 18 हजार से अधिक विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

स्वावलंबन से नेतृत्व तक

प्रदेश में 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों को रियायती ऋण प्रदान कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। रेडी-टू-ईट कार्य महिला समूहों को सौंपे जाने से उन्हें स्थायी आय का स्रोत मिला है। इसके साथ ही डिजिटल सखी, दीदी ई-रिक्शा, सिलाई मशीन सहायता, मिनीमाता महतारी जतन योजना और लखपति दीदी जैसी पहलें महिलाओं को नए आजीविका अवसर प्रदान कर रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के अनुसार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सुरक्षित तथा सम्मानजनक वातावरण प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बेटी के सुनहरे भविष्य की नींव बनी सुकन्या समृद्धि योजना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि योजना कई परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है। योजना के माध्यम से अभिभावक अपनी बेटियों की शिक्षा और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए छोटी-छोटी बचत कर आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। जिले में भी अनेक परिवार योजना का लाभ लेकर अपनी बेटियों के सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत कोरंधा सेक्टर के करम टोली निवासी श्रीमती सुरेखा भगत ने अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ लिया है। श्रीमती सुरेखा भगत एक गृहिणी हैं। उन्होंने अपनी बेटी के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए बेटी रिया के नाम से डाकघर कोरंधा में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाता खुलवाया। वे बताती हैं कि प्रारंभिक समय में आर्थिक तंगी के कारण इस खाते में नियमित रूप से राशि जमा करना उनके लिए कठिन था, लेकिन महतारी वंदन योजना का लाभ से उन्हें बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में नियमित रूप से बचत करने में सहायता मिली। वे बताती हैं कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं ने उन्हें अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचत करने की प्रेरणा दी है।

श्रीमती सुरेखा बताती है कि बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य (शिक्षा और विवाह) के लिए एक छोटी बचत योजना है। 10 वर्ष से कम उम्र की बेटी के लिए अभिभावक डाकघर या अधिकृत बैंक में खाता खोल सकते हैं, जिसमें प्रति वर्ष 250 से 1.5 लाख तक निवेश कर आकर्षक ब्याज प्राप्त की जा सकती है। अब श्रीमती सुरेखा समय से सुकन्या समृद्धि खाते में राशि जमा कर रही हैं, ताकि आने वाले समय में बेटी की उच्च शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं में कोई बाधा न आए। वे कहती हैं कि छोटी-छोटी बचत से ही बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

नए प्रोजेक्ट पर साथ में करेंगे काम सैयामी खेर और गुलशन देवैया

बॉलीवुड में कुछ कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आती है कि वे पर्दे पर उस जोड़ी को फिर से देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी कुछ ऐसी ही है। दोनों ने पहले अनपॉज्ड और 8 ए.एम. मेट्रो जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जिसमें उनके बीच की कमेस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब यह जोड़ी फिर से एक साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि सैयामी और गुलशन ने हाल ही में इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी कर ली है। उनकी जोड़ी को दोबारा स्क्रीन पर देखना दर्शकों के लिए हमेशा सुखद अनुभव रहा है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नया प्रोजेक्ट फिल्म है या वेब सीरीज, लेकिन इस जोड़ी को देखने के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस नए प्रोजेक्ट की सभी जानकारी सीक्रेट रखी गई है, जिनका जल्द ही खुलासा हो सकता है। सैयामी खेर इन दिनों अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान में नजर आने वाली है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शरीब हाशमी भी अहम किरदार में हैं। फिल्म की शूटिंग कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसे शहरों में हुई। वहीं गुलशन देवैया भी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज परफेक्ट फैमिली की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने विष्णु नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो एक परफेक्ट दिखने वाले परिवार का हिस्सा है। ये परिवार बाहर से खुश है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ है। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया। इसमें गुलशन देवैया के अलावा, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और नेहा धूपिया भी हैं। यह सीरीज 27 नवंबर को यूट्यूब चैनल जार सीरीज पर रिलीज हुई।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं दीपिका

हाल ही में दीपिका पादुकोण ने मुंबई में अपने फैंस के लिए एक स्पेशल फैन मीट सेशन रखा था। इस दौरान एक्ट्रेस देश भर के 50 फैंस से मिलीं। इस सेशन में फैंस ने दीपिका से खूब सवाल पूछे और उन्होंने सबका जवाब भी दिया। सेशन के दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि वो कब किसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी? इस पर उन्होंने जवाब दिया- 'मुझे पूरी उम्मीद है कि बहुत जल्द। जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह मेरी पसंदीदा जोनर है। एक ऑडियंस के तौर पर भी और एक एक्ट्रेस के तौर पर भी। मुझे लगता है कि अभी का माहौलऔर दर्शक कुछ अलग देखना चाहते हैं। लेकिन अगर आप में से इतने सारे लोग रोमांटिक कॉमेडी देखना चाहते हैं, तो मुझे यकीन है कि पब्लिक का एक बड़ा हिस्सा यही चाहती है।'

जैसे ही दीपिका ने यह कहा एक फैन ने ऋतिक रोशन का नाम लिया। सेशन के होस्ट ने इस बात पर वहां मौजूद फैंस से एक एक पोल कराया कि रोमांटिक कॉमेडी में दीपिका को किसके साथ काम करना चाहिए... ऋतिक रोशन, शाहरुख खान या उनके पति रणवीर सिंह। फैंस ने शाहरुख और ऋतिक के नाम पर वीयर किया लेकिन सबसे ज्यादा रणवीर सिंह के नाम को समर्थन मिला। बातचीत के दौरान, दीपिका ने शाहरुख खान, रणवीर सिंह या रणबीर कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में स्क्रीन साझा करने की संभावना के बारे में बात की और स्वीकार किया कि वो इस जोनर में अच्छी कहानियों की तलाश कर रही हैं। ऐसी अफवाह चल रही है कि दीपिका अयान मुखर्जी की अगली रोमांटिक फिल्म के लिए रणबीर कपूर के साथ काम कर सकती हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उन्होंने कहा- यह ऐसी चीज है जिसकी तलाश में मैं और मेरी टीम लगी रहती है। हम लगातार ड्रामा, लव स्टोरी, रोमांटिक कॉमेडी, जैसे जोनर की फिल्में ढूंढते रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि इस तरह के कंटेंट को सपोर्ट करने वाले या इस समय इस तरह की फिल्में और टीवी शो लिखने वाले बहुत कम मेकर्स हैं।' दीपिका ने अपने फैंस से यह भी पूछा कि क्या वे रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को ओटीटी पर देखना पसंद करेंगे या थिएटर में। फैंस ने जवाब में थिएटर कहा। फिर दीपिका ने पूछा- अगर मैं ओटीटी पर काम करूं तो क्या आप नाराज होंगे? एक फैन ने जवाब दिया- आप बड़े पर्दे के लिए ही बनी हैं। एक अन्य फैन ने मजाकिया अंदाज़ में कहा- जब तक आपका किरदार नहीं मरता, तब तक सब ठीक है। दीपिका हंसते हुए कहती हैं- मेरी मां भी यही कहती रहती हैं। बता दें कि दीपिका की कई फिल्मों में उनके किरदारों की मौत हो जाती है, जिनमें उनकी पहली फिल्म ओम शांति ओम, गोलियों की रासलीला रामलीला, पद्मावत और जवान शामिल हैं। दीपिका जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म किंग में नजर आएंगी। इसके अलावा, वह अल्लू अर्जुन के साथ एटली की फिल्म-22x6 में काम कर रही हैं।

एक बार फिर दर्शकों को गुदगुदाएगी वरुण और पुलकित सम्राट की जोड़ी

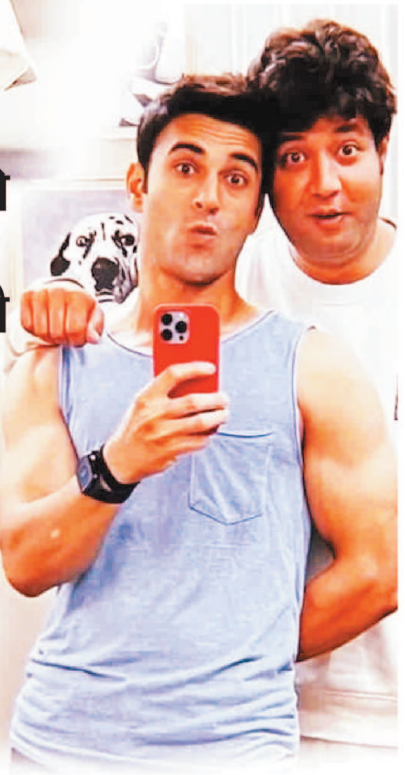

फुकरे फिल्म में एक्टर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की केमिस्ट्री ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। यह जोड़ी एक बार फिर फिल्म राहुकेतु के जरिए धमाल मचाने आ रही है। फिल्म के रिलीज से पहले वरुण और पुलकित ने आईएएनएस के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म के टाइटल से लेकर शूटिंग के अनुभव के बारे में बताया। एक्टर वरुण शर्मा ने कहा, फिल्म का टाइटल राहुकेतु सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि करियर और दोस्ती के यादगार पल दिलाने वाला प्रतीक है। मैंने और पुलकित ने एक-दूसरे के साथ दस साल से ज्यादा समय बिताया है और यह हमारी पांचवीं फिल्म है। जैसे राहु और केतु हमेशा हमारे जीवन में चलते रहते हैं। वैसे ही हमारी दोस्ती और काम करने का सफर भी बेहद खूबसूरत तरीके से आगे बढ़ रहा है। फिल्म स्क्रिप्ट को लेकर वरुण ने कहा, राहुकेतु केवल दर्शकों को हंसाने वाली फिल्म नहीं है। इसके साथ ही इसमें एक संदेश भी छिपा है। फिल्म के लेखक और निर्देशक विपुल विग ने कहानी में इस तरह की परतें डाली हैं कि दर्शक फिल्म देखकर हल्का महसूस करेंगे। हंसते-हंसते खुद को और अपने कर्मों को भी समझ पाएंगे। इस फिल्म के जरिए नया साल हंसी और पॉजिटिविटी के साथ शुरू करने का मौका मिलेगा। पुलकित सम्राट ने कॉमेडी को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, कॉमेडी किसी भी अन्य जॉनर की तरह ही चुनौतीपूर्ण होती है। हर सीन में मेहनत लगती है और सही समय पर हंसी लाना बहुत मुश्किल होता है। वहीं पुलकित ने कहा, वरुण से मैंने बहुत कुछ सीखा है, खासकर टाइमिंग के मामले में। उसके साथ काम करने से मेरी कॉमिक स्किल्स और परफॉर्मेंस में निखार आया है। मुझे कभी वरुण के साथ फिल्मों में काम करना बोरिंग नहीं लगा। लोग हमारी बॉन्डिंग को पसंद करते हैं। हम हर बार नए अंदाज में आते।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का हुआ ब्रेकअप

क्या एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद रिश्ते में आई खटास?

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया को अक्सर पार्टी, इवेंट्स में खूब साथ देखा गया। इन्होंने खुलकर अपने इश्क का इजहार किया। कुछ वक्त पहले न्यू ईयर वेकेशन मनाने भी दोनों साथ गए। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों की राहें अब जुदा हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि इस ब्रेकअप की वजह सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना बनी है।

तारा और वीर ने नहीं किया खबर का खंडन

फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के अनुसार वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने ब्रेकअप कर लिया है। इस बात की पुष्टि उनसे जुड़े करीबी सूत्रों ने की है। जबकि वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया की तरफ से अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई। ऐसे में ब्रेकअप क्यों हुआ, इस बात को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स इस ब्रेकअप की असल वजह सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट को मान रहे हैं।

एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में क्या हुआ था?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

करियर फंट को लेकर भी चर्चा में तारा सुतारिया

तारा सुतारिया करियर फंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म धुरंधर 2 से है।

हमारी इंडस्ट्री में आज भी हीरो को पूजा जाता है, पर लड़कियां अब बोलने लगी हैं

राशि खन्ना ने हिंदी फिल्म मद्रास कैफे से एक्टिंग का ककहरा सीखा, फिर जल्द ही तमिल-तेलुगू सिनेमा को भी साध लिया। पैन इंडिया कलाकार बन चुकीं राशि आने वाले दिनों में पवन कल्याण के साथ तेलुगू फिल्म उस्ताद भगत सिंह में नजर आएंगी। यही नहीं, वह तमिल फिल्म राउडी एंड कंपनी और हिंदी फिल्म तलाखों में एक और ब्रिज में भी दिखेंगी। ओटीटी पर भी अजय देवगन के साथ रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस और शाहिद कपूर की फर्जी में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है। बीते साल 2025 में तीन अलग-अलग भाषाओं में वह तीन फिल्मों - 120 बहादुर (हिंदी), तेलुसु कड़ा (तेलुगू) और अगाथिया (तमिल) में अलग-अलग किरदार में पसंद की गईं। करियर के इस पड़ाव पर राशि बहुत उत्साहित हैं।

आप दिल्ली में पली-बढ़ी, मुंबई में करियर शुरू किया, अब हैदराबाद में सेटल हैं, तो इन अलग-अलग शहरों ने आपको कैसे गढ़ा?

सच कहूं कि कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं कौन हूं, क्योंकि मैं इतने किरदार निभाती हूं और वो किरदार करते हुए मैं वही बन जाती हूं। फिर वो तमिल हो, तेलुगू हो या हाल ही में मैंने पंजाबी, राजस्थानी, बंगाली किरदार किए तो मेरे मैनेजर बोलते हैं कि आप पैन इंडिया हैं (हंसती हैं)। मैं हैदराबाद में रहती हूं, तो यह शहर अब घर बन चुका है। दिल्ली और मुंबई में आती-जाती रहती हूं। मैं फूड हूं और दिल्ली के खाने का कोई मुकाबला नहीं है। अच्छी बात ये है कि मेरी मम्मी साथ में रहती हैं तो वो दिल्ली वाले छोले भटूरे या कुल्चे छोले घर पर बना देती हैं। फिर भी, वेस्ट दिल्ली में एक ज्वाला हेरी मार्केट थी, जहां हम गोलगप्पे खाने जाते थे, तो वो टिक्की और गोलगप्पे अब भी याद आते हैं। मुंबई की सबसे अच्छी बात वहां की सेपटी है। वहां रात के 12 बजे भी ऑटो लेकर कहीं भी जा सकते हैं, घूम सकते हैं। मैं जब मुंबई में रहती थी तो ऑटो में बहुत घूमती थी। अब भी कभी-कभी ऑटो लेकर चली जाती हूं, मगर मेरे मैनेजर मना करते हैं। मुंबई की एक अच्छी बात यह भी है कि यहां सब अपने काम से मतलब रखते हैं।

आपने बॉलीवुड फिल्म मद्रास कैफे से करियर शुरू किया था। फिर साउथ की ओर कैसे मुड़ीं? हिंदी में ही आगे बढ़ने का ख्याल नहीं आया?

असल में, मैं फिल्में देखकर बड़ी नहीं हुई हूं। मेरी सिनेमा में कोई रुचि भी नहीं थी तो जब मैंने मद्रास कैफे की तो ये नहीं सोचा था कि अरे, मैं स्टार बनूंगी या मुझे स्टार बनना है। मुझे बस उस सेट पर काम करना अच्छा लगा तो धीरे-धीरे मैं और काम करती गई। मैंने तो यह भी सोचा था कि मद्रास कैफे के बाद अगर ढंग की फिल्म नहीं मिली तो मैं कुछ और कर लूंगी। लेकिन तभी मुझे मेरी पहली तेलुगू फिल्म मिली, जो बहुत सारे लोगों को अच्छी लगी। फिर मुझे काम मिलता गया और मैं करती गई। मैंने कभी ये सब सोचा ही नहीं कि हिंदी करना है या साउथ में करना है। ये चीजें आपके हाथ में होती भी नहीं हैं। होता वही है जो किस्मत में होता है तो मैं इन चीजों में सरेंडर करना पसंद करती हूं। मुझे जहां अच्छी फिल्में मिलेंगी, मैं करूंगी।

आप बिना किसी फिल्मी कनेक्शन के यहां तक पहुंची हैं। एक आउटसाइडर होने का क्या खामियाजा महसूस हुआ?

यह जरूरी नहीं है कि अगर आप इंडस्ट्री से हैं तो आपको काम मिलता ही रहेगा। हो सकता है कि थोड़े समय तक मिले, पर आगे बढ़ने के लिए आपमें टैलंट होना भी जरूरी है। ये सही है कि हम जैसे बाहर से आए एक्टर्स को थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, पर मैं मेहनत से कभी नहीं डरी। मुझे पता था कि ये परिस्थितियां हैं, इनका मैं कुछ नहीं कर सकती। मेरे हाथ में सिर्फ मेरी मेहनत है। चाहे कोई फिल्म मुझे मिली या ना मिली, उसकी अलग-अलग वजहें होंगी, लेकिन मैंने खुद को कभी बेचारी या विक्टिम की तरह नहीं देखा। मैंने सिर्फ मेहनत की। रिजेक्शन भी मिला तो मैं समझती हूं कि ये बिजनेस है या उन्हें किसी और को फेवर करना है तो मैं बुरा नहीं मानती। मुझे लगता है कि जो आपकी किस्मत में है वो मिलना ही है। उसे आपसे कोई ले नहीं सकता।

इंडस्ट्री में गैर-बराबरी को लेकर बहुत सी एक्ट्रेसेज ने खुलकर बोला है। आपका इस मामले में क्या अनुभव रहा है?

हमारा समाज ही पितृसत्तात्मक है। इंडस्ट्री में भी हम थोड़ा हीरो वरशिप (हीरो की पूजा) करते हैं। इसलिए, उन्हें ज्यादा इज्जत मिलती है। हालांकि, अब चीजें बदल रही हैं, क्योंकि लड़कियां बोलने लगी हैं। फिर भी अभी पूरी तरह से नहीं बदली है तो निश्चित तौर पर सेट पर ट्रीटमेंट के मामले में एक्टर और एक्ट्रेस के बीच थोड़ा अंतर होता है, क्योंकि प्रोड्यूसर्स का कहना है कि जिसका बॉक्स ऑफिस पुल ज्यादा होगा, जो ज्यादा ऑडियंस लाएगा, उसी ज्यादा इज्जत मिलेगी। हो सकता है कि भविष्य में यह सोच बदले। उसमें वक्त लगेगा लेकिन चीजें बदलेंगी।

निगम की टीम ने शिक्षण संस्थाओं के आसपास की पान दुकानों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता द्वारा निगम क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न जोनों के क्षेत्र अंतर्गत भिन्न बाजारों में भिन्न शिक्षण संस्थाओं के आसपास संचालित पान दुकानों का औचक निरीक्षण कर सम्बंधित पान दुकान संचालकों के पास से दुकान में विक्रय हेतु रखे गए गुटखा, तम्बाकू, सिगरेट, पान मसाला आदि नशे से सम्बंधित वस्तुओं के पाउच पैकेटस को स्थल पर तत्काल जप्त करने की कार्यवाही शासन के कोटपा एक्ट के प्रावधान अनुसार नगर निगम जोन नगर

निवेश विभाग की टीमों के साथ मिलकर की गयी।

जोन 8 अंतर्गत महोबा बाजार स्कूल के समीप 3 पान दुकानों और जोन 3 अंतर्गत एस के नायडू स्कूल और छत्तीसगढ़ आई हॉस्पिटल के आसपास की पान दुकानों और जोन 5 क्षेत्र में स्कूलों के आसपास की पान दुकानों का औचक निरीक्षण कर सिगरेट, गुटखा, तम्बाकू, पान मसाला आदि नशे की वस्तुओं से सम्बंधित अनेक पाउच पैकेटस तत्काल सम्बंधित पान दुकान संचालकों से जप्त करते हुए कोटपा एक्ट प्रावधान के अनुसार उन्हें भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की चेतावनी सम्बंधित जोन कमिश्नरों के मार्गनिर्देशन में दी गयी। दोबारा स्कूलों के आसपास नशे की वस्तुओं को विक्रय किये जाने पर शासन के कोटपा एक्ट के प्रावधान अनुसार नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी स्कूलों के आसपास लगाए जा रहे समस्त पान ठेलों के सम्बंधित संचालकों को दी गयी है।

गन्दगी मिलने और नगर निगम रायपुर जोन 8 स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त जनशिकायत स्थल पर सही मिलने पर तत्काल स्थल पर सम्बंधित शिव गंगा जूस दुकान के संचालक पर 2000 रूपए का ई जुर्माना नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया गया और उन्हें भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी चेतावनी देते हुए प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

टाटीबंध तालाब की सफाई

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन और स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में किया और सफाई व्यवस्था की स्थल समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर ने टाटीबंध तालाब का सौंदर्य कायम रखने तालाब क्षेत्र को स्वच्छ और सुन्दर बनाये रखने स्वच्छता अभियान चलाने और कचरा उठवाने सहित स्थानीय रहवासियों के मध्य क्षेत्र की स्वच्छता को लेकर नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से सघन जनजागरण अभियान शीघ्र चलाये जाने के निर्देश जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक को स्थल पर दिए।

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार जोन क्रमांक 8 क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 क्षेत्र अंतर्गत जरवाय क्षेत्र में लगभग 1 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर अज्ञात अवैध प्लाटिंगकर्त्ताओं द्वारा निर्मित अवैध मुरूम रोड को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर और वहाँ लगभग 12 प्लीन्थ लेवल तक किये गए अवैध निर्माणों को तोड़कर तत्काल कारगर रोक लगाने की कार्यवाही की गई। उपअभियंता अबरार खान एवं नगर निवेश विभाग के अन्य सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में की।

आज भी बिजली से वंचित कई गांव, जिपं सदस्य ने विद्युत कंपनी को लिखा पत्र

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। छत्तीसगढ़ में जहां एक ओर हर घर तक बिजली पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आज भी कई गांव ऐसे हैं जहां तक विद्युत लाइन नहीं पहुंच सकी है। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हेमलता मंढावी ने विद्युत वितरण कंपनी को पत्र लिखकर क्षेत्र के कई गांवों में बिजली की व्यवस्था कराने की मांग की है।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक–1 साल्हेवारा की सदस्य श्रीमती मंढावी ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंधक को भेजे पत्र में बताया है कि क्षेत्र के अंतर्गत कई गांवों में आज भी बिजली की लाइन नहीं पहुंच पाई है, जिसके कारण ग्रामीणों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत चौअर आश्रित गाँव केलवानी और झिलमिली में अब तक विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत समुद्रपानी के आश्रित गांव निमानडीही और संजारी तथा ग्राम पंचायत भावे के आश्रित गांव बड़ेलमरा और छोटेलमरा में भी बिजली की लाइन नहीं पहुंच पाई है।

जिला पंचायत सदस्य ने अपने पत्र में लिखा है कि इन गांवों में विद्युत सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अंधेरे में जीवन यापन करना पड़ रहा है और बच्चों की पढ़ाई, पेयजल व्यवस्था तथा दैनिक जीवन की कई आवश्यक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों से मांग की है कि इन गांवों में जल्द से जल्द विद्युत लाइन पहुंचाकर ग्रामीणों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

हर थाने में बाल कल्याण अधिकारी की जानकारी अब होगी डिस्प्ले- डॉ वणिर्का शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने एक महत्वपूर्ण अनुशंसा आर-188जारी करते हुए पुलिस कमिश्नर रायपुर एवं समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षकों को यह अनुशंसा की है कि प्रत्येक पुलिस थाने में बाल कल्याण पुलिस अधिकारी व विशेष किशोर पुलिस इकाई के प्रभारी तथा बच्चों के आपातकालीन नम्बर 1098 का डिस्प्ले अनिवार्यतः किया जाये।

आयोग में प्रचलित प्रकरणों में यह संज्ञान में आया था कि थानो में नामित बाल कल्याण पुलिस अधिकारी की जानकारी सभी पुलिस अधिकारियों को नहीं होती है। कतिपय मामलों में थाना प्रभारी को भी स्थानांतरण होने के बाद लंबे समय तक स्थानांतरित स्थान पर नामित बाल कल्याण पुलिस अधिकारी की जानकारी नहीं होती है। आयोग ने यह भी पाया था कि थाना प्रभारियों को भी जिले में विशेष किशोर पुलिस इकाई की जानकारी नहीं होती है।

इन सबका दुष्परिणाम यह होता है कि बच्चों से संबंधित मामलों में अन्वेषण करते समय पुलिस अधिकारियों द्वारा बच्चों के लिए बाल सुलभ प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जाता है । विधिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए आयोग ने अपनी अनुशंसा में लेख किया है कि इस संबंध में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 107 के अनुसार प्रत्येक थाने में बाल कल्याण पुलिस अधिकारी और विशेष किशोर पुलिस इकाई का गठन किया जाना कानूनी बाध्यता है एवं धारा 108 के अनुसार इस अधिनियम के प्रावधानों पर जन-जागृति लाना भी कानूनी बाध्यता है। धारा 109 में इस अधिनियम के पालन के अनुश्रवण की जिम्मेदारी बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को दी गई है।

आयोग ने विस्तारपूर्वक अनुशंसा करते हुए लिखा है कि प्रदेश के प्रत्येक थाने में प्रमुख दीवाल व अन्य दो स्थानों पर काले रंग से पुताई कर एक आयताकार डिस्प्ले दीवाल पर तैयार किया जाये जिसकी बॉर्डर स्लेट की तरह (बाल सुलभ दृष्टि से) बनाई जाये। इस बोर्ड के भीतर पक्के रंग से जिले के विशेष किशोर पुलिस इकाई के प्रभारी, थाने के बाल कल्याण अधिकारी प्रभारी का पदनाम तथा बच्चों का आपातकालीन नम्बर 1098 प्रदर्शित किया जाये।

आयोग ने यह भी लेख किया है कि इन पदों के केवल पदनाम व आपातकालीन नम्बर 1098 सफेद पक्के रंग से लिखे जायें । पदनाम के सामने चॉक से इन पदों पर नामित पुलिस अधिकारियों के नाम लिखे जायें ताकि स्थानांतरण होने पर तुरंत नये पदाधिकारी का नाम लिखा जा सके। अधिनियम की प्रतिलिपि तथा डिस्प्ले बोर्ड का एक नमूना भी सुविधा के लिए पर संलग्न कर आयोग ने भेजा है और इस व्यवस्था को सभी थानो में दिनांक 31 मार्च 2026 के पूर्व संपन्न करने का लेख कर डिस्प्ले के छायाचित्रों के साथ आयोग को पालन प्रतिवेदन प्रेषित करने को कहा है ।

रिसाली निगम ने तेज की राजस्व वसूली अवकाश के दिन भी खुले रहेंगे काउंटर

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के अंतिम माह मार्च में राजस्व वसूली अभियान को तेज कर दिया गया है। करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन ने अवकाश के दिनों में भी टैक्स काउंटर खुले रखने का निर्णय लिया है, ताकि नागरिक बिना किसी परेशानी के अपना कर जमा कर सकें। निगम अधिकारियों ने बताया कि करदाता चालू वित्तीय वर्ष का संपत्तिकर एवं जलकर 31 मार्च 2026 से पहले बिना किसी अधिभार या जुर्माने के जमा कर सकते हैं। समय सीमा के भीतर कर जमा करने पर नागरिकों को अतिरिक्त अधिभार से बचने का लाभ मिलेगा।

राजस्व वसूली को गति देने के लिए निगम के टैक्स कलेक्टर वार्डों में घर-घर पहुंचकर करदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें समय पर कर जमा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। निगम क्षेत्र के भवन एवं भूमि स्वामियों से अपील की गई है कि वे वित्तीय वर्ष 2025–26 का संपत्तिकर और जलकर 31 मार्च से पहले जमा कर दें। जिन करदाताओं का पुराना संपत्तिकर बकाया है, वे भी इस अवधि में भुगतान कर अधिभार से बच सकते हैं।

करदाताओं की सुविधा के लिए नगर निगम ने ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है। इसके लिए निगम द्वारा एक लिंक जारी किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे ही अपने करों का भुगतान कर सकते हैं। निगम प्रशासन ने जानकारी दी है कि प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को भी टंकी कार्यालय में संपत्तिकर काउंटर सुबह खुले रहेंगे, जिससे अवकाश के दिनों में भी नागरिक कर जमा कर सकेंगे।

नगर निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने करदाताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक 31 मार्च 2026 से पहले अपने बकाया करों का भुगतान कर दें, ताकि उन्हें अतिरिक्त अधिभार से बचने का लाभ मिल सके और नगर निगम को भी विकास कार्यों के लिए आवश्यक राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि निगम के अधिकृत टैक्स कलेक्टर घरों और दुकानों तक पहुंच रहे हैं, नागरिक चाहें तो उनके माध्यम से भी सुरक्षित रूप से कर की राशि जमा कर सकते हैं।

टैक्स जमा कर अधिभार से बचने की अपील

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के अंतिम महीने मार्च में राजस्व वसूली को तेज करते हुए टैक्स काउंटर खोले गए हैं। निगम प्रशासन ने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अवकाश के दिनों में भी टैक्स काउंटर खुले रखने का निर्णय लिया है, ताकि नागरिक बिना किसी परेशानी के अपना कर जमा कर सकें। निगम के अधिकारियों ने बताया कि करदाता चालू वित्तीय वर्ष का टैक्स बिना किसी अधिभार या जुर्माने के 31 मार्च 2026 से पहले जमा कर सकते हैं। इसके लिए निगम के सहायक राजस्व निरीक्षक भी वार्डों में घर–घर पहुंचकर कर वसूली के लिए दस्तक दे रहे हैं और नागरिकों को समय पर टैक्स जमा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। निगम क्षेत्र के भवन एवं भूमि स्वामियों को वित्तीय वर्ष 2025–26 का संपत्तिकर, यूजर चार्ज, जलकर, भू–भाटक तथा दुकान किराया 31 मार्च 2026 से पहले जमा करने की अपील की गई है। समय पर कर जमा करने से नागरिकों को अतिरिक्त अधिभार और जुर्माने से बचने का लाभ मिलेगा। जिन करदाताओं ने अभी तक अपना पुराना संपत्तिकर जमा नहीं किया है, वे भी 31 मार्च से पहले भुगतान कर अधिभार से बच सकते हैं। करदाताओं की सुविधा के लिए नगर निगम ने ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है। इसके लिए निगम द्वारा लिंक जारी किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे ही अपने करों का भुगतान कर सकते हैं। निगम प्रशासन ने यह भी जानकारी दी है कि प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को सभी जोन कार्यालयों तथा मुख्य कार्यालय में संपत्तिकर काउंटर सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। करदाता अवकाश के दिनों में भी अपने करों का भुगतान कर सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बनी जानकी बाई

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम 1994 एवं नियम 1996 के अंतर्गत कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा, जिला जनसंपर्क अधिकारी राजेश नेताम, जिला अभियोजन अधिकारी देवेन्द्र ध्रुव, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रशांत झा, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश्वरी अग्रवाल, कानूनी सलाहकार सुबोध पाण्डे, नोडल अधिकारी (पीसीपीएनडीटी) डॉ. मनीष बघेल तथा सहायक नोडल अधिकारी डॉ. बोधन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में जिले में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत संस्थाओं की अद्यतन जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों के नवीनीकरण एवं संशोधन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में बताया गया कि इससे जिले में निजी संस्थाओं द्वारा सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी, जिससे विशेषकर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिलेगा तथा उन्हें सोनोग्राफी के लिए अन्य जिलों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बैठक के दौरान पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला स्तरीय निरीक्षण एवं निगरानी दल को सभी पंजीकृत केन्द्रों का प्रत्येक तीन माह में नियमित एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

जिले की हुनरमंद महिलाएं छू रही सफलता के क्षितिज

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से मिली एक राह और ताकत, राज बिहान रसोई शहर में परंपरागत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिहा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले की हुनरमंद महिलाएं सफलता के क्षितिज छू रही हैं और अपने आत्मविश्वास एवं हौसले से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से उन्हें एक राह और ताकत मिली। जिले में संचालित राज बिहान रसोई शहर में परंपरागत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिहा है। इसकी संचालक प्रतिज्ञा महिला स्वसहायता समूह की लखपति दीदी श्रीमती ज्ञानेश्वरी निषाद ने कहा कि महिलाएं यदि ठान ले तो कोई भी कार्य कठिन नहीं है, सोचे नहीं थे कि छोटे से स्तर पर प्रारंभ किया गया यह व्यवसाय इतना बढ़ जायेगा।

उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर होने से उनकी अपनी अलग एक पहचान बनी है। उन्होंने बताया कि राज बिहान रसोई में खुबसूरत सजावट किया गया है। यहां छत्तीसगढ़ पकवानों के लिए निरंतर आर्डर मिल रहे हैं, जिससे कार्य में मन लग गया है। समय पर आर्डर पूरा करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सभी महिलाएं एक साथ मिलकर मेहनत से कार्य कर रही हैं। राज बिहान रसोई में विभिन्न तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन चीला, बड़ा, फरा, चौसेला, मुगोड़ी, साबुदाना बड़ा, अड़रसा, ठेठरी, खुर्मी, बालुशाही जैसे स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी पकवान उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 15 हजार रूपए से 18 हजार रूपए तक की आमदनी प्राप्त हो रही है। माह में लगभग 35 हजार से 40 हजार रूपए मासिक आमदनी हो रही है। कलेक्टोरेट परिसर में स्थापित राज बिहान रसोई में जनमानस जायकेदार व्यंजनों का लुफ्त उठाने प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

श्रीमती ज्ञानेश्वरी निषाद ने बताया कि समूह से जुड़ ? के पहले वे खेती-किसानी के कार्यों में परिवार की मदद करती थी और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। अपनी आय में बढ़ोत्तरी के लिए वे गांव में सामाजिक कार्यों में भोजन बनाने का कार्य मजदूरी में करती थी। कार्य में वृद्धि होने से उन्हें आर्डर प्राप्त होने लगे और उन्होंने बिहान से जुड़कर ऋण लेकर यह व्यवसाय प्रारंभ किया। उन्होंने बताया उनकी टीम में शामिल प्रत्येक सदस्य लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। भविष्य में उनका यह सपना है कि टीम के सभी सदस्य और अधिक आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हो और राज बिहान रसोई के और भी ब्रांच हो। उन्होंने बताया कि बचत होने पर अपने घर के लिए मिक्सी एवं फ्रिज खरीदा है और कुछ दिनों पहले 50 हजार रूपए की राशि से अपने लिए सोने के झुमके खरीदें हैं। श्रीमती ज्ञानेश्वरी निषाद ने बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से उन्हें बहुत मदद मिली। उत्साहवर्धन हेतु स्थानीय स्तर के शासकीय एवं अशासकीय मेला एवं मड़ई में कैटरिंग कार्य हेतु भेजा गया। उनकी उत्सुकता एवं रूचि को देखते हुए सरस मेला गुडग़ांव, दिल्ली, गुरूग्राम, कलकत्ता, केरल, रायपुर, भिलाई भेजा गया। प्रत्येक सरस मेला में अपनी टीम के साथ कार्य करते हुए लगभग एक-एक लाख रूपए से अधिक शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।

वनांचल क्षेत्र में आय के नए स्रोत- मखाना खेती से सशक्त होंगे महिला समूह

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

मखाना एक ऐसा पौधा है जो तालाबों, दलदलों और आद्रभूमि जैसे स्थिर जल निकायों में उगाया जाता है। इसका प्रसार बीजों द्वारा होता है और अंकुरण के लिए पूर्णतः परिपक्व बीजों की आवश्यकता होती है। मखाना की खेती में न्यूनतम खर्च आता है क्योंकि पिछले फसल से बचे हुए बीजों से नए पौधे आसानी से अंकुरित हो जाते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर होने और नकदी फसल के रूप में किसानों की आय को दोगुना करने की अपार क्षमता को देखते मिलता है। मखाना खेती से धमतरी की ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक तस्वीर बदलेगी। छोटी छोटी डबरी से समृद्धि तक धमतरी की महिलाओं को मखाना खेती में आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह दिखायी दे रही है। शासकीय प्रयासों का प्रतिफल है कि मखाना खेती से धमतरी में आर्थिक सशक्तिकरण होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने धमतरी प्रवास के दौरान जिले को मखाना बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद जिला प्रशासन द्वारा मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है।

धमतरी जिले के नगरी वनांचल क्षेत्र में आजीविका

संवर्धन की दिशा में एक नई पहल के तहत मखाना खेती की तैयारी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्रारंभ की गई है। जिले में कुल 100 एकड़ भूमि मखाना उत्पादन के लिए चिन्हांकित की गई है। प्रारंभिक चरण में संकरा क्षेत्र में 25 एकड़ रकबे में मखाना की खेती की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार नगरी क्षेत्र की जलवायु, पर्याप्त जल उपलब्धता एवं प्राकृतिक वातावरण मखाना उत्पादन के लिए अनुकूल है। इससे स्थानीय किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। इस पहल से वनांचल क्षेत्र में कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

कलेक्टर धमतरी बीते दिनों संकरा पहुंचकर मखाना खेती की तैयारियों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मखाना खेती नगरी वनांचल क्षेत्र के लिए आय वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्व-सहायता समूहों को तकनीकी प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं विपणन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। हमारा प्रयास है कि धमतरी जिला प्रदेश में मखाना उत्पादन का मॉडल विकसित करे।

कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि कृषि एवं उद्यानिकी विभाग समन्वय बनाकर किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करें तथा जल प्रबंधन एवं फसल संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। आने वाले समय में चरणबद्ध रूप से रकबे का विस्तार कर अधिक से अधिक समूहों को इस पहल से जोड़ा जाएगा। जिला प्रशासन की इस पहल से नगरी वनांचल क्षेत्र में आर्थिक सशक्तिकरण की नई संभावनाएं साकार होती दिखाई दे रही हैं।

सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का आयोजन हुआ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जैसलमेर में प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीजी महाराज साहब का चादर महोत्सव परम पूज्य गुरुदेव खरतर गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर महाराज साहब की पावन निश्रा में 6–7–8 मार्च को मनाया जा रहा है जिसमें देशभर से गुरुभक्त जैसलमेर पहुंचे हैं ।

872 वर्ष पूर्व दादा गुरुदेव के अंतिम संस्कार में गुरुदेव द्वारा धारण किए वस्त्र चादर चोल पट्टा एवं मुंहपत्ति अग्नि में नहीं जला था वह चादर भी जैसलमेर के सोनार किले पर स्थित जैन मंदिर के ज्ञान भंडार में सुरक्षित है जैसलमेर में इसी चादर का महोत्सव के दौरान 7 मार्च को पूरे देश भर में सामूहिक रूप से 1 करोड़ 8 लाख संकटमोचन दादागुरु इकतीसा पाठ का आयोजन किया गया जिसमें सभी गुरु भक्तों ने बढ़कर का हिस्सा लिया।

संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर निर्मित प्रेरणादायी फिल्म शतक का प्रदर्शन

दुर्ग में प्रदर्शित हुई फिल्म शतक - मंत्री गजेन्द्र यादव रहे उपस्थित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निर्मित प्रेरणादायी फिल्म शतक की गौरव गाथा के विशेष प्रदर्शन केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में आयोजन शनिवार को दुर्ग के स्वरूप सिनेमा टॉकीज में किया गया। दोपहर 3 बजे आयोजित इस विशेष प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिल्म प्रदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए और दुगर्वासियों के साथ पूरा फिल्म देखे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले एक शताब्दी में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण और सेवा कार्यों के माध्यम से देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संघ का कार्य निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना से प्रेरित रहा है, जिसने समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य किया है।

प्रदर्शित फिल्म शतक की गौरव गाथा में संघ की स्थापना से लेकर उसके उद्देश्य, संगठनात्मक विस्तार, स्वतंत्रता संग्राम के समय राष्ट्र के प्रति योगदान तथा विभिन्न आपदाओं और विपरीत परिस्थितियों में स्वयंसेवकों द्वारा किए गए सेवा कार्यों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। फिल्म में यह भी दर्शाया गया कि किस प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने समाज सेवा, राष्ट्र जागरण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का कार्य किया है। शिक्षा, सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति की भावना से प्रेरित यह संगठन आज विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन चुका है। संघ की कार्यपद्धति और विचारधारा ने देश के करोड़ों युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा दी है।

इस अवसर पर दुर्ग के जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्षगण, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने फिल्म के माध्यम से संघ के गौरवशाली इतिहास और सेवा कार्यों से प्रेरणा प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संघ के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लिये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभापति नेहा बाबा वर्मा ने नगर की महिलाओं को दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर पंचायत पाटन की सभापति एवं वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद श्रीमती नेहा बाबा वर्मा ने नगर सहित अपने वार्ड की समस्त माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में उन्होंने कहा है कि नारी शक्ति समाज की सबसे बड़ी ताकत है। महिलाओं के त्याग, समर्पण और परिश्रम से ही परिवार, समाज और राष्ट्र मजबूत बनता है। आज महिलाएं शिक्षा, राजनीति, प्रशासन, खेल और सामाजिक क्षेत्र सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर निर्भर करती है। महिलाओं को समान अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने वार्ड क्रमांक 4 सहित नगर की सभी महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य, सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना करते हुए पुनः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भाजपा नेता के खेत में अफीम की खेती का आरोप, कांग्रेस ने की निष्पक्ष जांच की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर जिला कांग्रेस की नवनियुक्त महामंत्री निकिता मिलिंद ने प्रेस बयान जारी कर ग्राम समोदा में भाजपा किसान मोर्चा के एक नेता के खेत में अफीम की खेती किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यदि यह मामला सत्य है तो यह केवल एक व्यक्ति का अपराध नहीं, बल्कि भाजपा के कथित सुशासन की वास्तविक तस्वीर को उजागर करता है। निकिता मिलिंद ने कहा कि दुर्ग जिले के ग्राम समोदा में भाजपा किसान मोर्चा के नेता विनायक ताम्रकार के खेत में लगभग 10 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती किए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि यदि सत्ता के संरक्षण के बिना इतनी बड़ी अवैध गतिविधि संभव नहीं है। यह कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करती है। साथ ही यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि सत्ता के नशे में पल रहे ऐसे मामलों का सच सामने आ सके। निकिता मिलिंद ने भाजपा सरकार से सवाल करते हुए कहा कि क्या यही उनका सुशासन है, जहां भाजपा नेता अफीम की खेती करें और सरकार सब कुछ देख कर भी अनदेखा करती रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता इस पूरे मामले की सच्चाई जानना चाहती है।

अनियंत्रित होकर कार पेड़ से टकराई, हादसे में युवक-युवती गंभीर रूप से घायल

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़ से मुढ़ीपार, डोंगरगढ़ मार्ग पर ग्राम कुम्ही के पास शनिवार की शाम एक सड़क हादसा हो गया। रायपुर से डोंगरगढ़ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल को ठोकर मारी और फिर सीधे एक पेड़ में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला के सिविल अस्पताल खैरागढ़ में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रायपुर के गंगानगर निवासी संजू सिन्हा (24 वर्ष) अपनी मित्र अंजू साहू ,19 वर्ष के साथ अपनी कार CG 04 HD 5523 में सवार होकर रायपुर से खैरागढ़ के रास्ते डोंगरगढ़ जा रहे थे। तभी तकरीबन शाम करीब 5 बजे जैसे ही उनकी कार ग्राम कुम्ही के पास पहुँची, चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

शिक्षा विभाग के तुगलकी फरमान से छात्रों का भविष्य लगा दांव पर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य में बेहतर प्रशासन और पारदर्शिता का दावा करने वाली विष्णुदेव साय सरकार के इस आदेश ने अब सुशासन की परिभाषा पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ही आदेश में किसी पाठ्यक्रम को भविष्य के लिए उदाहरण न मानने की बात भी कही जा रही है और उसी डिप्लोमा को मान्यता भी दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में पीजीडीआरडी (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट) को लेकर विवाद अब और उलझता नजर आ रहा है। इसकी वजह उच्च शिक्षा विभाग का एक ऐसा आदेश बना है जिसे लेकर शिक्षा जगत में हैरानी जताई जा रही है। दरअसल, राज्य सरकार ने एक ही आदेश में पहले इस पाठ्यक्रम को लेकर सवाल खड़े किए और भविष्य में इसे उदाहरण नहीं मानने की बात कही, लेकिन साथ ही इस पाठ्यक्रम को पूरा कर चुके छात्रों के डिप्लोमा को मान्यता भी दे दी। इसी विरोधाभासी आदेश ने पूरे मामले को और पेचीदा बना दिया है।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय की डिग्री पर उठे सवाल :मामला आईएसबीएम विश्वविद्यालय, छुरा (जिला गरियाबंद) द्वारा संचालित पीजीडीआरडी (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट) से जुड़ा है। आरोप है कि विश्वविद्यालय को इस पाठ्यक्रम की विधिवत मान्यता नहीं थी, इसके बावजूद छात्रों को डिप्लोमा जारी किए गए और भर्ती प्रक्रिया में उसका लाभ भी मिलने लगा।

सरकार का आदेश बना चर्चा का केंद्र :24

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
::मंत्रालय::
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

:: आदेश ::

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 24/12/2025

क्रमांक 2262/813/2025/38-2 :: राज्य शासन एतद्द्वारा आई.एस.बी.एम. विश्वविद्यालय, छुरा, जिला-गरियाबंद में अध्यादेश क्रमांक 57 (Under Commerce & Management Faculty) के अंतर्गत संचालित पी.जी.डी.आर.डी. (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट) पाठ्यक्रम पूर्ण कर जो छात्र/छात्रायें डिप्लोमा प्राप्त कर लिये है, उसे मान्य किया जाता है।

2/ भविष्य में इसे उदाहरण न माना जाये और विश्वविद्यालय तत्काल प्रभाव से अपने बोर्ड ऑफ स्टडीज एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक में उक्त पाठ्यक्रम को Arts & Humanities के अंतर्गत शामिल किया जाना सुनिश्चित करें।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
24/12
(धनंजय नेताम)
अवर सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग

पृ. क्रमांक 2263/813/2025/38-2 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 24/12/2025
प्रतिलिपिः-
1. विशेष सहायक, माननीय मंत्रीजी, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर,
2. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर,
3. निज सचिव, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर,
4. सचिव, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर,
5. कुलसचिव, आई.एस.बी.एम. विश्वविद्यालय, छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.) की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. आदेश फोल्डर।

24/12
अवर सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग

दिसंबर 2025 को उच्च शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया जिसमें कहा गया किः आईएसबीएम विश्वविद्यालय से पीजीडीआरडी पूरा कर चुके छात्रों के डिप्लोमा मान्य माने जाएंगे लेकिन भविष्य में इसे उदाहरण नहीं माना जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय को निर्देश दिया गया कि इस पाठ्यक्रम को Arts & Humanities संकाय के अंतर्गत शामिल किया जाए। इसी आदेश को लेकर शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार ने एक ही आदेश में दो अलग-अलग संदेश दे दिए हैं, जिससे पूरे मामले में भ्रम की स्थिति बन गई है।

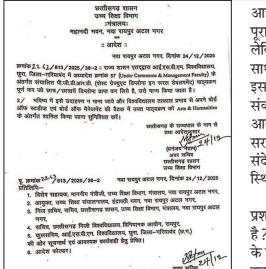

विष्णुदेव साय की सरकार में क्या यही वह प्रशासनिक स्पष्टता है, जिसे सुशासन कहा जाता है? भर्ती की उम्मीद लगाए बैठे हजारों अभ्यर्थियों के बीच अब चर्चा यही है कि अगर फैसले इतने उलझे हुए होंगे, तो सुशासन का दावा आखिर जमीन पर कितना मजबूत है। अब पूरे मामले में सबकी नजर अदालत की अगली सुनवाई पर टिकी हुई है।

एक छोटी सी चूक कारण बना,बड़ा हादसा का चलती बाइक गिरीं शिक्षिका, हालत नाजुक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

एक छोटी सी चूक बनी बड़ा हादसा का कारण, चलती बाइक में एक महिला की फंसी साड़ी, सिर के बल गिरीं शिक्षिका, हालत नाजुक। दाऊचौरा लल्ला चाल में निवासरत महिला मर्सी बचइया रोज की तरह अपने बच्चे के साथ बाइक पर सवार होकर अमलीपारा स्थित वेसलिन इंग्लिश एवं हिन्दी माध्यम स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं और स्कूल जा रही थी की सडक हादसा हो गया।।

शहर के किल्लापारा क्षेत्र में शनिवार सुबह एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। स्कूल जा रही एक शिक्षिका की साड़ी का पल्लू बाइक के पिछले पहिये में फंस गया, जिससे वे सड़क पर सिर के बल गिर पड़ीं। इस हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई है। घायल महिला की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर स्थित एम्स रेफर किया गया है, जहाँ उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, दाऊचौरा लल्ला चाल निवासी मर्सी बचइया (48 वर्ष), पति जॉर्ज बचइया, अमलीपारा स्थित वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं और रोज की तरह वे सुबह करीब 8:45 बजे अपने पुत्र के साथ बाइक पर सवार होकर स्कूल जा रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक किल्लापारा के पास पहुँची, अचानक उनकी साड़ी का पल्लू बाइक के पिछले हिस्से (चेन या पहिये) में फंस गया।

पल्लू फंसने के कारण शिक्षिका मर्सी बचइया का संतुलन बिगड़ गया और वे चलती बाइक से सीधे पीछे की ओर सड़क पर जा गिरीं। सिर के बल जमीन से टकराने के कारण उन्हें अंदरूनी और गहरी चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें जिले के सिविल अस्पताल खैरागढ़ पहुँचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

परिजनों ने बताया कि राजनांदगांव ले जाते समय शिक्षिका की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजन उन्हें राजनांदगांव से सीधे दुर्ग के एक निजी अस्पताल लेकर पहुँचे। हालांकि, वहां भी डॉक्टरों ने केस की संवेदनशीलता और न्यूरो सर्जरी की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें रायपुर एम्स ले जाने की सलाह दी। वर्तमान में उनका उपचार रायपुर में चल रहा है, जहाँ वे जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रही हैं। इस घटना ने एक बार फिर दुपहिया वाहनों पर साड़ी या दुपट्टा पहनकर बैठने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा के सवालों को खड़ा कर दिया है। ट्रैफिक पुलिस और डॉक्टरों ने अपील की है,कि बाइक पर बैठते समय कपड़ों का विशेष ध्यान रखें ताकि वे पहिये या चेन में न फंसें।

मोदी सरकार ने देश को शर्मसार किया - दीपक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अमेरिका ने भारत को छूट दी है कि वह युद्ध के कारण 30 दिनों तक रूस से तेल खरीद सकता है। यह खबर देश को शमर्सार कर देने वाली है। यह खबर बताती है कि हमारी केंद्र सरकार, हमारा प्रधानमंत्री कितना कमजोर है। मोदी सरकार ने देश की संप्रभुता को गिरवी रख दिया है। अमेरिका होता कौन है हमे आदेश देने वाला? भारत सरकार प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से इतना डर क्यों रहे है? अमेरिकी प्रधानमंत्री लगातार भारत के संबंध में टिप्पणी करते है, घोषणायें करते है, भारत सरकार मौन रहती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कल दुर्ग के समोदा गांव में एक खुलासा हुआ कि वहां पर एक फार्म हाउस के अंदर लगभग 10 एकड़ में अफीम की खेती हो रही थी। यह अफीम की खेती भाजपा नेता विनायक ताम्रकार करवा रहा था। विनायक ताम्रकार भाजपा के दुर्ग जिले का किसान मोर्चा का पूर्व अध्यक्ष है तथा वर्तमान में वह भाजपा के राईस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प का प्रदेश संयोजक है। भाजपा के सभी कार्यक्रमों में उसकी महत्वपूर्ण और सक्रिय भागीदारी रहती है। वह भाजपा का स्थापित नेता और प्रदेश पदाधिकारी है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, तोखन साहू, गृह मंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, भाजपा के राष्ट्रीय नेता अजय जामवाल, शिवप्रकाश सहित अनेकों नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया में है। बिना सरकार के संरक्षण के कोई अफीम की खेती खुलेआम करे यह संभव नहीं है। भाजपा जब से सरकार में आई जुआ, सट्टा, शराब की तस्करी बढ़ गयी, नशे का कारोबार बढ़ गया, सत्ता में बैठे लोग इसको संरक्षण देते है। इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेकर गृह मंत्री इस्तीफा दें।

निगम आयुक्त ने किया वार्ड 29 का औचक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-2 वैशाली नगर के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 29 वृन्दा नगर क्षेत्र का सघन निरीक्षण वार्ड पार्षद संजय सिंह के उपस्थिति में किया। इस दौरान उन्होंने वृन्दा नगर, शासकीय प्राथमिक शाला बैक लाइन, छपरा मुहल्ला, गंदा तालाब क्षेत्र, अर्जुन नगर और चैता मैदान क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने जनहित को देखते हुए नालियों और सड़कों पर जिन लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, उन्हें तत्काल चिन्हित कर नोटिस जारी करने और कब्जा हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। सड़क पर निर्माण सामग्री या अन्य सामान रखकर आवागमन बाधित करने वालों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन पर सड़क बाधा शुल्क (जुर्माना) लगाने के निर्देश दिए। क्षेत्र में कई स्थानों पर घरों के सामने गड्ढा खोदकर जल भराव की स्थिति और व्यर्थ बहते पानी को देखते हुए आयुक्त ने निर्देशित किया कि पाइप लाइन के नलों में अनिवार्य रूप से टोटी (टैब) लगवाई जाए ताकि जल की बर्बादी रोकी जा सके।

निरीक्षण स्थलों पर कचरा संग्रहण के उपरांत सफाई सुनिश्चित कर चूना, ब्लीचिंग पाउडर और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने के आदेश दिए गए ताकि मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, जोन स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह एवं जोनल सुपरवाइजर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छता कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नागरिकों की सुविधाओं के लिए निगम प्रशासन निरंतर प्रयासरत है।

महिलाओं का सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रायपुर प्रेस क्लब में महिला पत्रकारों का हुअस सम्मान, पिंक रूम का उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने महिला पत्रकारों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, पत्रकारिता, खेल और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में महिला पत्रकार समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाकर जनजागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम करना तथा समाज में उनकी भागीदारी को और मजबूत बनाना है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अधिक अवसर प्रदान किए जाएं।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा कुछ दिनों पूर्व आयोजित खेल मड़ई के अंतर्गत महिला पत्रकारों के बीच आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की खेल गतिविधियां महिलाओं के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता महिला पत्रकार टीमों को घोषित 21-21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों के लिए बनाए गए नवनिर्मित पिंक रूम का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की सुविधाएं महिला पत्रकारों के लिए बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव श्रीमती निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं महिला पत्रकार उपस्थित रहीं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने महिला पत्रकारों के योगदान को सम्मानित करने के साथ-साथ महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान का सकारात्मक संदेश भी दिया।

नियम विरुद्ध पदोन्नति मामले में दो कर्मियों पर गिर सकती है गाज : प्रक्रिया पर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-कबीरधाम

शिक्षा विभाग में नियमों को ताक पर रखकर की गई पदोन्नति का एक बड़ा मामला सामने आया है। कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग ने जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) कबीरधाम द्वारा पूर्व में जारी किए गए पदोन्नति आदेशों को सेवा भर्ती नियमों के विपरीत पाते हुए कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त आदेश के अनुसार, जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम ने 27 मई 2021 को एसके निर्मलकर (कनिष्ठ लेखा परीक्षक) और जेपी बर्वे (लेखापाल, अप्रशिक्षित) को पदोन्नत कर 'सहायक ग्रेड-01' के पद पर नियुक्त किया था।

नियमों की अनदेखी

संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा की गई जांच में पाया गया कि यह पदोन्नति छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग तृतीय श्रेणी (लिपिक वर्गीय) सेवा भर्ती नियम 2009 के खिलाफ है। नियमों के अनुसारः सहायक ग्रेड-01 के पद पर पदोन्नति के लिए सहायक ग्रेड-02 के पद पर 05 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है। उक्त दोनों कमर्चारी इस पात्रता को पूरी नहीं करते थे, फिर भी उन्हें पदोन्नति दे दी गई।

जवाब से संतुष्ट नहीं विभाग

इस गड़बड़ी के संज्ञान में आने पर विभाग ने संबंधित लिपिकों से जवाब मांगा था। दिनांक 06.02.2026 को

PDF.js viewer

/2026-SECTION - (JOINT DIRECTOR EDUCATION DURG)

कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक
शिक्षा संभाग दुर्ग (छ0ग0)
- जिला पंचायत के समाने, जी0ई0रोड, दुर्ग छ0ग0

-:: आदेश ::-

क्रमांक/कार्या0स्था0/लि0व0से0/कबीरधाम/2025-26 /039 दुर्ग, दिनांक 05 MAR 2026

जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम के ज्ञाप क्रमांक/684/स्था.01/पदो./2026 कबीरधाम, दिनांक 28.01.2026 के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम के आदेश क्रमांक/1705/मु.लि./पदोन्नति/2021 कबीरधाम, दिनांक 27.05.2021 के द्वारा श्री एस0के0निर्मलकर का कनिष्ठ लेखा परीक्षक एवं श्री जे0पी0बर्वे का लेखापाल (अप्रिशिक्षित) के पद से पदोन्नति सहायक ग्रेड 01 के पद पर की गयी है, जो कि विभागीय सेवा भर्ती नियम के विपरीत होने के कारण पदोन्नति आदेश को निरस्त किये जाने तथा संबंधित लिपिक के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही हेतु प्रस्ताव कार्यालय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग को प्राप्त हुआ है।

2/ छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 4-22/20-दो/2009 रायपुर, दिनांक 17.06.2013 (राजपत्र) के अनुसार छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग तृतीय श्रेणी (लिपिक वर्गीय एवं अलिपिक वर्गीय) सेवा भर्ती नियम 2009 में संशोधन प्रकाशित किया गया है, जिसकी अनुसूची 4(ब)(अ) के स0क्र0-02 के अनुसार सहायक ग्रेड 01 के पद पर पदोन्नति हेतु सहायक ग्रेड 02 के पद पर 05 वर्ष का अनुभव होना उल्लेखित है।

3/ जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम द्वारा उक्तानुसार जारी पदोन्नति आदेश दिनांक 27.05.2021 के द्वारा कनिष्ठ लेखा परीक्षक एवं लेखापाल के पद से सहायक ग्रेड 01 के पद पर पदोन्नति आदेश जारी किया गया है, जो कि शासन द्वारा जारी सेवा भर्ती नियम के विपरीत होने के कारण उक्त आदेश के तहत् पदोन्नत सहायक ग्रेड 01, श्री एस0के0निर्मलकर एवं श्री जे0पी0बर्वे को क्रमशः कार्यालयीन पत्र क्रमांक 552 एवं 554 दिनांक 02.02.2026 के माध्यम से प्रतिवाद प्रस्तुत करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया।

4/ बिन्दु क्र0-03 द्वारा जारी पत्र के परिपालन में श्री एस0के0निर्मलकर एवं श्री जे0पी0बर्वे द्वारा दिनांक 06.02.2026 को अपना प्रतिवाद (उत्तर) इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है, संबंधितों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवाद (उत्तर), विभागीय सेवा भर्ती नियम के विपरीत तथा समाधानकारक नहीं है।

5/ कार्यालयीन पत्र क्रमांक/कार्या0स्था0/लि0व0से0/2025-26/550 दुर्ग, दिनांक 02.02.2026 के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम को उक्त पदोन्नति के संबंध में मूल नस्ती, डी0पी0सी0 समिति की अनुशंसा/कार्यवाही विवरण एवं समस्त अभिलेख अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया।

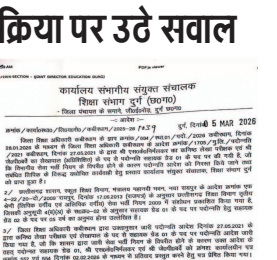

उक्त पत्र के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम द्वारा सहायक संचालक एवं कक्ष लिपिक के हस्ते दिनांक 06.02.2026 मूल नस्ती अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मूल नस्ती के अवलोकन में उक्त पदोन्नति के संबंध में विचारण क्षेत्र में आने वाले कर्मचारियों की निर्धारित प्रपत्र में सूची, विभागीय छानबीन एवं पदोन्नति समिति की अनुशंसा/कार्यवाही विवरण, गोपनीय प्रतिवेदन, रिक्त पदों की स्थिति एवं अन्य दस्तावेज नहीं पाया गया।

प्रस्तुत उनके उत्तर को प्रशासन ने "असंतोषजनक और नियमों के विपरीत" पाया है।

गायब मिले महत्वपूर्ण दस्तावेज

हैरानी की बात यह है कि जब संयुक्त संचालक कार्यालय ने इस पदोन्नति से जुड़ी मूल नस्ती (फाईल) की जांच की, तो उसमें कई अनिवार्य दस्तावेज गायब मिले। जांच रिपोर्ट के अनुसार, फाईल मेंः पदोन्नति समिति (DPC) की अनुशंसा। विभागीय छानबीन और गोपनीय प्रतिवेदन। रिक्त पदों की स्थिति से संबंधित दस्तावेज नहीं पाए गए।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।